दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-137 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 08 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट पर गुजरात हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

38 आतंकियों की फांसी और 11 की उम्रकैद बरकरार

अहमदाबाद (ए.)। साल 2008 में अहमदाबाद को दहलाने वाले सीरियल ब्लास्ट मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने आज अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया है। हाईकोर्ट ने स्पेशल कोर्ट के फैसले पर मुहर लगाते हुए इस दिल दहला देने वाले हमले के 38 आतंकियों की फांसी की सजा को बरकरार रखा है। इसके साथ ही 11 अन्य दोषियों की उम्रकैद की सजा भी जारी रहेगी। अदालत ने पीड़ितों के हक में अहम निर्देश देते हुए इस हमले में जान गंवाने वाले 56 मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और 200 से अधिक घायलों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

निचली अदालत के फैसले पर हाईकोर्ट की मुहर

कानून के मुताबिक, किसी भी अपराधी की फांसी की सजा पर अमल के लिए हाईकोर्ट की मंजूरी अनिवार्य होती है। इसी के चलते मौत की सजा पाए दोषियों ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जबकि राज्य सरकार ने भी सजा की पुष्टि के लिए याचिका दायर की थी। गौरतलब है कि साल 2022 में सेशन कोर्ट ने 14 साल की लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद इस मामले को 'दुर्लभ से दुर्लभतम' (रेयरेस्ट ऑफ रेयर) मानते हुए 38 आतंकियों को मौत की सजा और 11 को उम्रकैद सुनाई थी। भारतीय न्यायिक इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी एक मामले में एक साथ 38 दोषियों को फांसी की सजा दी गई थी। 26 जुलाई 2008 का वह काला दिन आज भी लोगों के जेहन में ताजा है, जब अहमदाबाद शहर महज 70 मिनट के भीतर एक के बाद एक हुए 21 बम धमाकों से कांप उठा था। इस बर्बर आतंकी हमले में 56 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और 200 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने एक सुनियोजित साजिश के तहत नरोदा, बापू नगर, सरखेज और हटकेश्वर जैसे अत्यधिक भीड़भाड़ वाले इलाकों को अपना निशाना बनाया था।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सतलुज' पर बढ़ा विवाद

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अभिनेता एवं गायक दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म 'सतलुज' प्रसारण मंच से हटाए जाने के बाद विवादों में घिर गई है। अब सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने फिल्म की विषय-वस्तु की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय अंतर-विभागीय समिति (आईडीसी) का गठन किया है। समिति अपनी जांच पूरी करने के बाद केंद्र सरकार को अपनी सिफारिशें सौंपेगी।यह फिल्म पंजाब के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा के जीवन और उनके लापता होने की घटना से प्रेरित बताई जा रही है। फिल्म की कहानी वर्ष 1990 के दशक में पंजाब में कथित गैर-कानूनी हत्याओं और जबरन अपहरण की घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

इंडोनेशिया के जकार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो के बीच बैठक के बाद, विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और इंडोनेशिया की नेशनल रिसर्च एंड इनोवेशन एजेंसी के चेयरपर्सन आरिफ सतरिया ने संयुक्त प्रेस बयान के दौरान समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया।

केंद्र ने ई-25 पेट्रोल को जल्द लागू किए जाने की खबरों को किया खारिज

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने ई-25 पेट्रोल को जल्द लागू किए जाने की खबरों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि फिलहाल ई-20 से अधिक एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है। सरकार का कहना है कि भविष्य में यदि ऐसा कोई कदम उठाया जाता है, तो वह केवल वैज्ञानिक परीक्षण और तकनीकी सत्यापन के आधार पर ही होगा। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सरकारी सूत्रों ने कहा है कि ई-20 पेट्रोल को लेकर लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। यह ईंधन पिछले ढाई वर्षों से अधिक समय से व्यापक परीक्षण और मूल्यांकन के बाद देश में इस्तेमाल किया जा रहा है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है, जब सोशल मीडिया और अन्य प्लेटफॉर्मों पर अधिक एथेनॉल मिश्रण वाले ईंधन के कारण वाहनों के प्रदर्शन और माइलेज पर असर पड़ने संबंधी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। वर्तमान में देश में करीब 20 करोड़ पेट्रोल से चलने वाले दोपहिया वाहन और लगभग 20 लाख पेट्रोल आधारित चारपहिया वाहन एथेनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग कर रहे हैं।

जुलाई की शुरुआत में केंद्र सरकार ने एथेनॉल मिश्रण को लेकर 10 बिंदुओं का विस्तृत स्पष्टीकरण जारी किया था। इसमें कहा गया था कि 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई-20) पूरी तरह वैज्ञानिक अध्ययनों, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और नियामकीय सुरक्षा मानकों पर आधारित है।

सरकार ने इस दावे को भी गलत बताया कि एक लीटर एथेनॉल बनाने में 10,000 लीटर पानी खर्च होता है। सरकार के अनुसार, एथेनॉल उत्पादन के लिए केवल वही अतिरिक्त चावल इस्तेमाल किया जाता है, जो देश की खाद्य सुरक्षा जरूरतें पूरी होने के बाद उपलब्ध होता है।

सरकार ने यह भी बताया कि आधुनिक एथेनॉल डिस्टिलरी में एक लीटर एथेनॉल तैयार करने के लिए केवल 3 से 5 लीटर प्रोसेस्ड पानी की आवश्यकता होती है। साथ ही अधिकांश यूनिट्स में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) तकनीक अपनाई जा रही है, जिससे पानी का पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) किया जाता है।

सरकार के अनुसार, एथेनॉल उत्पादन में अब मक्का की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में एथेनॉल आपूर्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मक्का से तैयार किया जा रहा है।

राम मंदिर चंदा चोरी पर चंपत राय ने चुप्पी तोड़ी, कहा- मैंने मौन धारण किया

अयोध्या, (आरएनएस)। अयोध्या के राम मंदिर चंदा चोरी मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने आखिरकार मंगलवार को अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने राम भक्तों के नाम एक पाती साझा कर कहा कि उनके ऊपर अनेकों लोगों द्वारा अनर्गल आरोप लगाए जा रहे हैं, इसलिए मौन धारण कर लिया है। उन्होंने 17 लाइन के पत्र में लिखा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट आने पर वह सिलसिलेवार तरीके से हर सवाल का जवाब देंगे।

राय ने पत्र में लिखा, पिछले 7 जून, 2026 से, श्री रामजन्मभूमि मन्दिर परिसर के दानपात्र की गणना के समय की गई चोरी के संबंध में अनेक प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं, व्यक्तिगत मेरे ऊपर अनेको ने अनर्गल आरोप लगाए हैं, मैंने मौन धारण कर लिया है। उन्होंने लिखा, मन्दिर ट्रस्ट की 6 जलाई को सम्पन्न बैठक में एसआईटी की प्राथमिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, यह रिपोर्ट अब सार्वजनिक हो चुकी है. यद्यपि यह परम गोपनीय थी।

राय ने आगे लिखा, आप सभी कह आश्वस्त करता हूं कि एसआईटी की अन्तिम रिपोर्ट आने के बाद, फैलाए जा रहे, सभी बिंदुओं पर अपना उत्तर क्रमानुसार दूंगा।

केतन हत्याकांड में बड़ा खुलासा, सिया ने प्रेमी चेतन से पहले ही कर ली थी शादी

पुणे,(आरएनएस)। पुणे के चर्चित लोहागढ़ किला हत्याकांड में नया मोड़ सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, मुख्य आरोपी सिया गोयल ने कारोबारी केतन अग्रवाल से तय शादी से कई महीने पहले ही अपने प्रेमी चेतन चौधरी से कथित तौर पर गुपचुप शादी कर ली थी। सूत्रों के मुताबिक, सिया गोयल और चेतन चौधरी ने करीब चार महीने पहले स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी का पंजीकरण कराया था। हालांकि, इसी साल फरवरी में सिया की सगाई पुणे के 25 वर्षीय रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल से हुई थी और दोनों की शादी नवंबर में होने वाली थी। बता दें कि 18 जून को लोहागढ़ किले पर केतन अग्रवाल की खाई में गिरने से मौत हो गई। जांच एजेंसियों को संदेह है कि यह एक सुनियोजित साजिश थी और सिया गोयल, केतन अग्रवाल से शादी नहीं करना चाहती थी।पुलिस अब इस दावे की जांच कर रही है कि दोनों ने कानूनी रूप से विवाह का पंजीकरण कराया था। अधिकारी यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या विवाह प्रमाणपत्र मौजूद है, क्योंकि ऐसा दस्तावेज जांच में अहम साक्ष्य साबित हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, विवाह पंजीकरण के दौरान गवाह के रूप में हस्ताक्षर करने वाले सिया के कॉलेज के दो दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है।

केरलम के वायनाड में सुरंग परियोजना स्थल पर भीषण भूस्खलन; 5 की मौत, कई लोग फंसे

वायनाड(आरएनएस)। केरलम के वायनाड जिले में मंगलवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ है, जिसमें अब तक 5 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। अभी कई लोग मौके पर फंसे हुए हैं। हादसा मेप्पडी के पास कल्लाडी में एक सुरंग सड़क परियोजना स्थल पर मीनाक्षी पुल के पास हुआ है। यहां मलप्पुरम और वायनाड जिलों को जोड़ने वाली अनाक्कोम्पोयिल-मेप्पडी सुरंग परियोजना का काम चल रहा है। मौके पर बचाव दल के कर्मी मौजूद हैं।भूस्खनल के बाद कलपेट्टा से अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। अग्निशमन और बचाव सेवा, पुलिस और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें बचाव अभियान चला रही हैं।

अधिवक्ता संघ चुनाव को लेकर एक मंचीय कार्यक्रम आज

अधिवक्ता संघ चुनाव के लिए अब 22 उम्मीदवार हैं मैदान में

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष पद पर त्रिकोणीय मुकाबला

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, व कोषाध्यक्ष पद के लिए त्रिकोणीय मुकाबला हो रहा है। सहसचिव पद के लिए आमने सामने की टक्कर है। वहीं कार्यकारिणी के लिए 8 प्रत्याशियों में से चयन होना है। सभी प्रत्याशियों ने समर्थन जुटाने लिए सक्रियता पूर्वक प्रयास शुरू कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर अधिवक्ता संघ चुनाव को लेकर सरगर्मी और तेज हो गई है। अध्यक्ष पद के लिए अजय प्रकाश श्रीवास्तव, मनोज जराठे, व सुरेंद्र सिंह राजपूत के बीच टक्कर होना है। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए दिलीप सिंह ठाकुर, केशव सिंह चौहान, और नीरज कुमार पटेल मैंदान में हैं। सचिव पद के लिए आशीष सिंह ठाकुर, अनुपम दुबे व मोहन लाल यादव के बीच मुकाबला होना है। सहसचिव पद के लिए राकेश शर्मा, और सीके कुरापा, के बीच सीधी टक्कर है। महिला के लिए आरक्षित कोषाध्यक्ष पद के लिए श्रीमती गुरप्रीत सिंह कौर, कुमारी प्रमिला शर्मा सुश्री शमशाद खान के बीच चुनाव होना है। कार्यकारिणी पद हेतु श्रीकांत रघुवंशी, श्रीमती नीता चौधरी, बालकराम अहिरवार, लखन लाल कीर, प्रशांत गोहला, श्रीमती दीप्ति राठौर, आनंद गिरी व सलोनी अग्रवाल मैदान में हैं। श्री पटेल एवं वरिष्ठ अधिवक्ताओं के मार्गदर्शन में सहायक निर्वाचन अधिकारी निष्पक्ष रूप से चुनावी प्रक्रिया को पूर्ण करने में जुटे हुए हैं। 15 को चुनाव होना है।

आज प्रत्याशी बताएंगे अपना संकल्प

वरिष्ठ अधिवक्ताओं के समक्ष आज बैठक होना है। जिसमें एक मंचीय कार्यक्रम 8 जुलाई को दोपहर दो बजे से होगा। जिसमें प्रत्याशियों को एक निश्चित अवधि में अपनी बात रखनी होगी। इसके लिए नियम भी मुर्ख्य चुनाव अधिकारी द्वारा बताए जाएंगे। श्री पटेल ने कहा कि जिन प्रत्याशियों को अपनी बात रखना है वह एक मंचीय कार्यक्रम शुरू होने से पूर्व सहायक निर्वाचन अधिकारी श्री अग्रवाल के पास अपना नाम लिखवा सकते हैं। जिनके नाम पहले आएंगे उन्हें ही समय दिया जाएगा।

भारत के ब्रिज मैन गिरीश भारद्वाज का निधन, 76 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

दक्षिण कन्नड़(आरएनएस)। पद्मश्री से सम्मानित और ब्रिज मैन ऑफ इंडिया के नाम से मशहूर गिरीश भारद्वाज का मंगलवार को 76 वर्ष की उम्र में कर्नाटक के सुलिया स्थित एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने अपने जीवन में कम लागत वाले सस्पेंशन पुल बनाकर दूर-दराज के गांवों को सड़क, स्कूल, अस्पताल और बाजार जैसी जरूरी सुविधाओं से जोड़ा। उनके निधन से सामाजिक कार्य और इंजीनियरिंग जगत में शोक की लहर फैल गई तथा लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

भारद्वाज को ब्रिज मैन ऑफ इंडिया इसलिए कहा जाता था, क्योंकि उन्होंने चार दशक में लगभग 150 कम लागत वाले सस्पेंशन पुल बनवाने में अहम भूमिका निभाई। इन पुलों की मदद से कई ऐसे गांव जुड़े, जहां लोगों को नदी पार करने में भारी परेशानी होती थी। उनके बनाए पुलों ने हजारों ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी आसान बनाई और शिक्षा, इलाज तथा रोजगार तक पहुंच बेहतर करने में बड़ी भूमिका निभाई।

इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद भारद्वाज ने निजी क्षेत्र में काम करने की योजना बनाई थी। हालांकि, उनके किसान पिता ने उन्हें अपनी तकनीकी जानकारी का उपयोग गांवों की समस्याएं दूर करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने खेती से जुड़ी मशीनें बनाने का काम शुरू किया और बाद में अपनी कंपनी भी स्थापित की।

सीसीटीवी में कैद हुआ वायनाड भूस्खलन का खौफनाक मंजर: खिलौने की तरह बह गया टैंकर, देखते-देखते दब गए कई लोग

वायनाड(आरएनएस)। केरलम के वायनाड के मेपाड्डी में भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ है। ये भूस्खलन वायनाड टनल निर्माण क्षेत्र में हुआ। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई और अभी भी मलबे में कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। लैंडस्लाइड मीनाक्षी पुल के पास हुआ जिसका वीडियो भी सामने आया हैं जो कि बेहद ही भयावह है। जहां पुल के पास की पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा ढहकर सड़क और पास के गांव में आ गिरा, जिससे पूरा इलाका मलबे से भर गया है। घटना सुबह 11 बजे के करीब हुई है। दरअसल कल्लाडी इलाके में मीनाक्षी पुल के पास टनल निर्माण का काम चल रहा था, टनल की खुदाई के चलते मिट्टी का एक बड़ा टीला वहां बन गया था। तेज बारिश की वजह से ये टीला और आस पास की पहाड़ी का हिस्सा दरक गया। नीचे की ओर प्रवासी मजदूरों के रहने के लिए टेम्परेरी कैम्प बनाया गया था, 2 बसों में स्थानीय मजदूरों को भी वहां काम के लिये लाया गया था। ये दोनों बसें और टेम्प्रेरी कैम्प पूरी तरह लैंडस्लाइड की जद में आ गया है। यह हादसा मीनाक्षी पुल के पास हुआ, जहां अनाक्कमपॉयल-कल्लाडी-मेप्पाडी ट्विन टनल प्रोजेक्ट का काम चल रहा है।

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट बहाल होगा, केंद्र सरकार ने नहीं जताई आपत्ति

नईदिल्ली,(आरएनएस)। दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के एक्स अकाउंट को बहाल करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने यह आदेश तब दिया, जब केंद्र सरकार ने स्वीकार किया कि उसे इस पर कोई आपत्ति नहीं है और खाते को बहाल किया जा सकता है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने कहा कि खाता अनब्लॉक किया जा सकता है। कोर्ट में पेश मेहता ने कहा कि यह अकाउंट राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधित किया गया था। मेहता ने कहा, इसे उस समय ब्लॉक किया गया जब नीट परीक्षा होने वाली थी। लाखों छात्र परीक्षा में बैठने वाले थे। कई पोस्ट थीं, जिनसे छात्रों और अभिभावकों के बीच अफरा-तफरी मच सकती थी। अब परीक्षा समाप्त हो चुकी है।

मध्यप्रदेश पुलिस की मादक पदार्थों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

रीवा पुलिस ने लगभग 10 करोड़ रूपए की 3.087 किलोग्राम एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार
15 जुलाई से शुरू होगा नशे से दूरी है जरूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान

भोपाल (आरएनएस)। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में नशे के अवैध कारोबार पर लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही हैं। इसी क्रम में रीवा पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 10 करोड़ रुपये अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य की 3.087 किलोग्राम अवैध एमडी ड्रग्स बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई प्रदेश में नशे के अवैध नेटवर्क के विरुद्ध चलाए जा रहे सतत अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता है।पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत एवं पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा रेंज हेमन्त सिंह चौहान के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के नेतृत्व में यह सफलता प्राप्त हुई है।जिले में संचालित ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत थाना गढ़ पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम सोनवर्षा निवासी दो व्यक्ति भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स लेकर बिक्री के उद्देश्य से जाने वाले हैं। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 3.087 किलोग्राम अवैध एमडी ड्रग्स, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 10 करोड़ रुपये है, जब्त की गई। इसके अतिरिक्त दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध थाना गढ़ में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण की विवेचना की जा रही है। मध्यप्रदेश पुलिस एक ओर जहां अवैध मादक पदार्थों के निर्माण, परिवहन, तस्करी और बिक्री में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई कर रही है, वहीं दूसरी ओर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस आगामी 15 जुलाई से नशे से दूरी है जरूरी 2.0 राज्यव्यापीजनजागरूकता अभियान भी प्रारंभ करने जा रही है। इस अभियान के माध्यम से विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्रामों, नगरीय क्षेत्रों, सामाजिक संस्थाओं तथा विभिन्न विभागों के सहयोग से व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए युवाओं को नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित किया जाएगा।मध्यप्रदेश पुलिस ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध निर्माण, तस्करी एवं कारोबार के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। कठोर कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता आधारित प्रयासों को भी समान प्राथमिकता देते हुए पुलिस कानून के प्रभावी क्रियान्वयन और समाज की सहभागिता के माध्यम से नशामुक्त एवं सुरक्षित मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है।

मध्यप्रदेश पुलिस ने 2,095 गुम एवं चोरी हुए मोबाइल उनके वास्तविक स्वामियों को लौटाए

सेफ क्लिक 2.0 अभियान के दौरान 1461 गुम मोबाइल लौटाए

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में सेफ क्लिक 2.0 अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। 24 जून 2026 से प्रारंभ इस विशेष अभियान का उद्देश्य नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित डिजिटल व्यवहार के लिए प्रेरित करना है। अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में स्कूलों, महाविद्यालयों, बैंकों, अस्पतालों, शासकीय एवं निजी संस्थानों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आमजन को संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने,

डिजिटल भुगतान के दौरान सतर्कता बरतने, ओटीपी एवं बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने तथा साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन 1930 एवं राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साइबर अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ मध्यप्रदेश पुलिस आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग के माध्यम से गुम एवं चोरी हुए मोबाइल फोन उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुंचाने का कार्य भी निरंतर कर रही है।

राज्य शिक्षा केंद्र ने 5वीं व 8वीं की पुनः परीक्षा के परिणाम किए घोषित

5वीं में 80% और 8वीं में 74 % से अधिक विद्यार्थी उत्तीर्ण
सत्र 2025-26 में पांचवीं में कुल 98.89 और आठवीं में 98.19 % हुआ परीक्षा फल

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य शिक्षा केन्द्र, स्कूल शिक्षा विभाग ने मंगलवार को कक्षा 5वीं व 8वीं की पुन: परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिए। विद्यार्थी व अभिभावक राज्य शिक्षा केन्द्र के परीक्षा पोर्टल पर परिणाम देख सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 की पुन: परीक्षा में कक्षा 5वीं में 80.42 एवं कक्षा 8वीं में 74.16 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। वहीं, मुख्य वार्षिक परीक्षा और पुन: परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या को मिलाकर इस सत्र में कक्षा 5वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.89 एवं कक्षा 8वीं का कुल परीक्षा परिणाम 98.19 प्रतिशत रहा है। राज्य शिक्षा केन्द्र के अपर संचालक डॉ. अरूण सिंह ने बताया कि विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षकगण उक्त परिणामों को राज्य शिक्षा केन्द्र के https:// www. rskmp. in/result.asp& पर अपना रोल नम्बर डालकर देख सकते हैं। साथ ही शिक्षक, संस्था प्रमुख भी अपनी शाला का विद्यार्थीवार परिणाम इसी पोर्टल पर देख सकते हैं। गौरतलब है कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा 16 से 23 जून के बीच कक्षा 5वीं व 8वीं की पुन: परीक्षाओं का आयोजन किया गया था। इसमें प्रदेश की शासकीय, अशासकीय शालाओं एवं पंजीकृत मदरसों के कक्षा 5वीं के 71, 548 तथा कक्षा 8वीं के 76, 274 विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे। इन विद्यार्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए प्रदेश में कुल 322 केन्द्र बनाए गए थे। 17, 000 से अधिक मूल्यांकनकर्ताओं के द्वारा अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि पोर्टल पर दर्ज की गई थी। वहीं कक्षा पांचवीं में शासकीय स्कूलों के कुल 46, 665 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें 36, 217 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। मदरसा में 581 में से 352 विद्यार्थी पास हुए हैं, तो वहीं अशासकीय स्कूलों के 24, 302 विद्यार्थियों में से 20, 971 विद्यार्थी परीक्षा में पास हुए हैं। इसी प्रकार कक्षा 8वीं में शासकीय स्कूलों के कुल 56,738 विद्यार्थियों में से 40, 315 उत्तीर्ण हुए हैं। मदरसा के 423 में से 268 और अशासकीय विद्यालयों के 19, 113 में से 15,978 विद्यार्थी पास हुए हैं।

केंद्रीय जेल भोपाल में तनाव प्रबंधन पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,जबलपुर की मंशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में तथा सुनीत अग्रवाल, सचिव/न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल की उपस्थिति में इस्कॉन प्रचारक धर्मेंद्र कृष्ण एवं गिरिधारी गोविन्द दास, अंबुजाक्ष दास, बृहद मृदंग दास द्वारा तनाव प्रबंधन पर अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। उनके द्वारा बताया गया कि मानसिक विकारों के कारण किस प्रकार से शारीरिक दुर्बलता आती है, शरीर बीमारियों से ग्रसित हो जाता है,सामाजिक एवं परिवारिक स्थिति में असंतुलन उत्पन्न हो जाता है। अनावश्यक विवाद उतपन्न होते है जिसे क्रोध के कारण सरल व्यक्ति के द्वारा क्रोध, गुस्सा लालच, लाभ के कारण व्यक्ति से अपराध हो जाता है और वह परिवार एवं समाज में तिरष्कृत हो जाता है और वह जेल/ कारावास में पहुंच जाता है। मनुष्य को अपने गुस्से क्रोध लोभ अहंकार इत्यादि दोषों से दूर एवं बचकर रहना चाहिए। इस्कॉन प्रचारकों द्वारा जेल बन्दियों को मन को शांत रखने के उपाय बताया गया तथा भजन कीर्तन के माध्यम से मन को शांत रखने के उपाय बताया गया। ताकि तनाव के सुप्रभाव से बचा जा सके।

डिजिटल दुनिया में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव

साइबर सिक्योर 2026 अभियान के तहत एमपी ट्रांसको में हुआ साइबर जागरूकता कार्यक्रम

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के शक्ति भवन मुख्यालय में साइबर सिक्योर 2026 अभियान के अंतर्गत साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश साइबर पुलिस के विशेषज्ञों ने पावर सेक्टर में बढ़ते साइबर खतरों, साइबर अपराधों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी।उप पुलिस अधीक्षक राज्य साइबर पुलिस श्रीमती उमाकांती आर्मो के नेतृत्व में विशेषज्ञों ने एम पी ट्रांसको के कार्मिकों को सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार, मोबाइल एप्स के सुरक्षित उपयोग, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन ट्रेडिंग फ्रॉड तथा साइबर ठगी के नए तरीकों से बचाव के बारे में प्रशिक्षित किया। साथ ही संदिग्ध कॉल, फर्जी लिंक, ई-मेल और डिजिटल लेनदेन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी प्रकाश डाला गया। साइबर विशेषज्ञ मोहित पांडे ने पावर सेक्टर पर बढ़ते साइबर खतरों की चर्चा करते हुए साइबर सुरक्षा को ऊर्जा अवसंरचना की सुरक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। साइबर फ्रॉड की स्थिति में त्वरित रिपोर्टिंग और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। वहीं साइबर विशेषज्ञ राज शर्मा ने एआई युग में साइबर सुरक्षा की चुनौतियों, फर्जी ई-मेल से बचाव, प्रमाणित वेबसाइटों के उपयोग और संचार साथी ऐप की उपयोगिता पर जानकारी साझा की। इस अवसर पर लगभग 150 कार्मिकों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

जनसुनवाई में 178 आवेदन प्राप्त हुए

भोपाल (आरएनएस)। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 178 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर एडीएम सुमित पांडेय, महेंद्र कवचे, प्रकाश नायक, पीसी शाक्य, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी, एसडीएम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

भोपाल के ऐशबाग में 600 मकान तोड़ने का विरोध : हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के लोग कलेक्टोरेट पहुंचे, कहा- बेघर हो जाएंगे

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के ऐशबाग स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के करीब 600 मकानों को तोड़ने की तैयारी है। ये मकान जर्जर घोषित किए गए हैं। बारिश के बीच इन मकानों को तोड़ने का विरोध भी किया जा रहा है। मंगलवार को कई लोग कलेक्टोरेट पहुंचे और कार्रवाई न करने की गुहार लगाई। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला के नेतृत्व में पीडित परिवार कलेक्टोरेट पहुंचे और गेट के सामने ही जमीन पर बैठ गए। शुक्ला ने इस कार्रवाई का विरोध जताते हुए कहा कि बरसात के मौसम में लगभग 600 परिवारों को बिना किसी ठोस वैकल्पिक व्यवस्था या विस्थापन के बेघर करना पूरी तरह से अमानवीय और अन्यायपूर्ण है। इन मकानों में लोग पिछले कई दशकों से अपने परिवारों के साथ रह रहे हैं।अचानक बिना समय दिए और बिना

किसी पुनर्वास नीति के इस तरह की कार्रवाई से सैकड़ों बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों का भविष्य अधर में लटक गया है।

उचित जगह मिल जाए तो हमें कोई दिक्कत नहीं

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने कहा कि हम विकास या सुरक्षा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर इंसानों को उजाड़ना और उन्हें इस मौसम में सड़कों पर रहने के लिए मजबूर करना प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है। जब तक हर एक रहवासी को उचित न्याय और रहने की पक्की जगह नहीं मिल जाती, तब तक हमारा यह शांतिपूर्ण और कानूनी संघर्ष जारी रहेगा। इस अवसर पर युवा कांग्रेस भोपाल अध्यक्ष अमित खत्री, संदीप सरवैया, अमजद लाला, मो. आमिर, अकबर खान आदि मौजूद थे।

नवनियुक्त इंजीनियरों को आधुनिक तकनीकों और पॉवर प्लांट निर्माण का मिला प्रशिक्षण

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के नवनियुक्त 10 कनिष्ठ अभियंताओं (सिविल) का छह सप्ताह का विशेष तकनीकी प्रशिक्षण राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान, नागपुर में आयोजित किया गया। अभियंताओं को ताप एवं जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण, संधारण तथा आधुनिक सिविल इंजीनियरिंग तकनीकों का गहन सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। छह सप्ताह तक चले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य नवनियुक्त अभियंताओं को विद्युत उत्पादन परियोजनाओं की वास्तविक कार्यप्रणाली से परिचित कराते हुए उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों जैसे कंक्रीट टेक्नोलॉजी, मटेरियल टेस्टिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, कार्य मापन, निर्माण पर्यवेक्षण तथा नवीनतम इंजीनियरिंग तकनीकों के अनुप्रयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का प्रमुख आकर्षण महाराष्ट्र के चंद्रपुर और कोराडी स्थित 2×600 मेगावाट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत इकाइयों का औद्योगिक भ्रमण रहा। इस दौरान प्रशिक्षु अभियंताओं ने निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाओं में फाउंडेशन, संरचनात्मक निर्माण एवं परियोजना निष्पादन की प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन कर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

एशियन गेम्स के लिए क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों से टी.टी. नगर स्टेडियम में मिले मंत्री सारंग

खिलाड़ियों का किया उत्साहवर्धन कहा - मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अंतर्राष्ट्रीय मंच पर रचेंगे नया इतिहास
सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

भोपाल (आरएनएस)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को टी.टी. नगर स्टेडियम में आगामी एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से आत्मीय संवाद कर उनकी तैयारियों, प्रशिक्षण, फिटनेस और आगामी प्रतियोगिताओं को लेकर विस्तार से चर्चा की तथा उन्हें शुभकामनाएं देते हुए पूरी निष्ठा और आत्मविश्वास के साथ देश का प्रतिनिधित्व करने का आह्वान किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों का बड़ी संख्या में चयन होना पूरे प्रदेश के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। यह उपलब्धि खिलाड़ियों के अथक परिश्रम, प्रशिक्षकों के समर्पण तथा प्रदेश सरकार द्वारा खेलों के विकास के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज मध्यप्रदेश देश के अग्रणी खेल राज्यों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है और यहां के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। खिलाड़ियों को आधुनिक खेल अधोसंरचना, उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, वैज्ञानिक कोचिंग, खेल विज्ञान, पोषण, आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। सरकार की प्राथमिकता है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को हर स्तर पर आवश्यक सहयोग और अवसर प्राप्त हों। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एशियन गेम्स केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देश के लिए गौरव अर्जित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्हें पूरा विश्वास है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से भारत के लिए अधिक से अधिक पदक जीतेंगे और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि वे अनुशासन, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ अपनी तैयारियां जारी रखें। पूरे प्रदेश की शुभकामनाएं और विश्वास उनके साथ हैं। उन्होंने प्रशिक्षकों और खेल विभाग के अधिकारियों की भी सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और समर्पण का ही परिणाम है कि मध्यप्रदेश के खिलाड़ी लगातार नई सफलताएं प्राप्त कर रहे हैं।उल्लेखनीय है कि आगामी एशियन गेम्स के लिए मध्यप्रदेश के 22 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में क्वालिफाई किया है।

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बाल भवन की स्थापना दिवस के अवसर पर बच्चों द्वारा लगायी गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

अशोकनगर जनसुनवाई में दो महिलाओं का दर्द छलका, एक बेहोश हुई तो दूसरी डीजल लेकर पहुंची

अशोकनगर (ए.)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर कलेक्ट्रेट में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई के दौरान दो अलग-अलग घटनाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था और शिकायतों के निराकरण को लेकर सवाल खड़े कर दिए। एक महिला न्याय की गुहार लगाते-लगाते बेहोश होकर गिर पड़ी, जबकि दूसरी महिला कथित रूप से आत्मदाह की नीयत से डीजल से भरी कैन लेकर कलेक्ट्रेट पहुंच गई। पुलिस की सतर्कता से संभावित अप्रिय घटना टल गई।

प्लॉट खरीदने के बाद ठगी का आरोप, जनसुनवाई में बेहोश हुई महिला

शिवपुरी जिले के रन्नौद क्षेत्र के कुसवन गांव निवासी विद्याबाई जाटव ने आरोप लगाया कि उन्होंने सरताज सिंह नामक व्यक्ति से करीब 1.10 लाख रुपये में एक प्लॉट खरीदा था। बाद में उन्हें पता चला कि उन्हें फर्जी रजिस्ट्री देकर धोखा दिया गया है। उनका कहना है कि न तो प्लॉट का कब्जा मिला और न ही उनकी राशि वापस की गई। विद्याबाई का आरोप है कि उन्होंने इस मामले में कई बार पुलिस से शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। मंगलवार को जनसुनवाई में भी समाधान नहीं मिलने से वह मानसिक रूप से बेहद व्यथित हो गईं और कलेक्ट्रेट परिसर में ही अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए भेजा।

मकान पर कब्जे का आरोप, डीजल लेकर पहुंची महिला

इसी दौरान कदवाया थाना क्षेत्र की एक अन्य महिला अपने मकान पर कथित अवैध कब्जे की शिकायत लेकर जनसुनवाई में पहुंची। महिला का आरोप है कि प्रभावशाली लोगों ने उसके घर पर कब्जा कर लिया है और कई बार शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। न्याय नहीं मिलने से आहत महिला अपने साथ प्लास्टिक की कैन में डीजल भरकर कलेक्ट्रेट पहुंची थी। सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों को जैसे ही इसकी जानकारी मिली, उन्होंने तत्काल महिला को रोककर डीजल से भरी कैन अपने कब्जे में ले ली। पुलिस की तत्परता से संभावित हादसा टल गया।

शिकायतों के निराकरण पर उठे सवाल

जनसुनवाई के दौरान सामने आई इन दोनों घटनाओं ने स्थानीय स्तर पर शिकायतों के निस्तारण और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। दोनों महिलाओं का आरोप है कि वे लंबे समय से पुलिस और प्रशासन के चक्कर लगा रही थीं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। मंगलवार की घटनाओं के बाद कलेक्ट्रेट परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

समोसे-कचौरी की दीवानगी, नाश्ते के लिए लोको पायलट ने रोकी ट्रेन?

इंदौर-महू डेमू का वीडियो वायरल, जांच की उठी मांग

इंदौर (आरएनएस)। इंदौर-महू रेलखंड पर चलने वाली डेमू ट्रेन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि ट्रेन का लोको पायलट रोजाना रास्ते में कुछ मिनट के लिए ट्रेन रोकता है और ट्रेन से नीचे उतरकर समोसे खरीदता है। वायरल हो रहे वीडियो ने सोशल मीडिया पर सनसनी फैला दी है और लोको पायलट की इस लापरवाही ने लोगों को हैरान कर दिया है। वहीं इस दावे ने रेलवे की कार्यप्रणाली पर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। लोग इस वायरल वीडियो को देखने के बाद जांच की मांग उठा रहे हैं। वायरल वीडियो के अनुसार, यह घटना इंदौर और महू के बीच राऊ क्षेत्र के रंगवासा रोड के पास की बताई जा रही है। वीडियो में ब्रिज पर ट्रेन कुछ देर के लिए रुकी दिखाई देती है और दावा किया जा रहा है कि लोको पायलट रोजाना ट्रेन रोकता है और फिर ट्रेन से उतरकर पास की दुकान से समोसे खरीदता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ये लोको पायलट का रोजना का काम है, जिसके चलते ट्रेन तय समय से लगभग 10 मिनट तक लेट हो जाती है। वहीं इस वीडियो ने लोगों के बीच ट्रेन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत कुंडम के सौ किसानों को अरहर, उड़द और रागी के उन्नत बीज वितरित

जबलपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विकासखण्ड कुंडम में बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विधायक संतोष वरकडे ने सौ कुंडम एवं आसपास के लगभग सौ प्रगतिशील किसानों को अरहर और उडद के मिनिकिट तथा प्रदर्शन हेतु रागी के उन्नत किस्म के बीज वितरित किये।कार्यक्रम को संबोधित करते हुये विधायक श्री वरकड़े ने कहा कि खेती में आधुनिक तकनीक और उन्नत बीजों का उपयोग समय की मांग है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के जरिए सरकार का मुख्य लक्ष्य दलहन और मोटे अनाज के उत्पादन को बढाकर किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ करना है। कार्यक्रम में कृषि अधिकारियों ने किसानों को केवल बीज वितरण ही नहीं किया, बल्कि उन्हें सफल खेती के गुर भी सिखाए। किसानों को उन्नत उत्पादन तकनीक, सही समय पर फसल बोने का महत्व, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए खाद का सही उपयोग तथा कीट और रोगों से फसलों को बचाने के उपाय बताये गये।

अनियंत्रित कार दीवार तोड़कर नाले पर लटकी, बड़ा हादसा टला

जबलपुर, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले के मदनमहल थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर एक मकान की दीवार तोड़ते हुए नाले के ऊपर जाकर लटक गई। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए कार में फंसी युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जानकारी के अनुसार मंगलवार को कार क्रमांक एमपी-20-सीएच-4284 मदनमहल से एलआईसी कार्यालय की ओर जा रही थी। इसी दौरान चालक युवती का वाहन से नियंत्रण हट गया और कार सीधे एक मकान की दीवार तोड़ते हुए नाले के ऊपर जा अटकी।

टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और राहगीरों में भी हड़कंप मच गया।प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत कार का दरवाजा खोलकर युवती को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार हादसे के समय दीवार के पास कोई मौजूद नहीं था। यदि वहां लोग खड़े होते या घर में कोई बाहर निकल रहा होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलने पर मदनमहल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। हालांकि किसी भी पक्ष ने शिकायत दर्ज नहीं कराई, इसलिए पुलिस आवश्यक कार्रवाई के बाद लौट गई। घटना की जानकारी मिलते ही युवती के परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

सीवर चेंबर हादसे में कर्मचारी की मौत, टाटा प्रोजेक्ट प्रा. लिमिटेड पर एफआईआर दर्ज

उज्जैन (आरएनएस)। उज्जैन में सीवर लाइन की सफाई के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में एक कर्मचारी की मौत के बाद नगर निगम ने टाटा प्रोजेक्ट प्रा. लिमिटेड के खिलाफ जीवाजीगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। हादसे में दो अन्य कर्मचारी घायल हुए हैं, जिनकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है।नगर निगम के अनुसार पिपलीनाका क्षेत्र में सीवर चेंबर की सफाई संबंधी शिकायत मिलने पर टाटा प्रोजेक्ट प्रा. लिमिटेड की टीम मौके पर पहुंची थी। कर्मचारी मशीन की सहायता से चेंबर की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान एक कर्मचारी का पैर फिसल गया और वह सीवर चेंबर में गिर पड़ा। उसे बचाने के प्रयास में दो अन्य कर्मचारी भी चेंबर के भीतर उतर गए और तीनों जहरीली गैस की चपेट में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। तीनों कर्मचारियों को बाहर निकालकर उपचार के लिए चरक अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने कर्मचारी अशोक को मृत घोषित कर दिया।

जबलपुर में शासकीय स्कूल के जर्जर भवन को तोड़ते वक्त गिरी छत, एक श्रमिक की मौत, दूसरा गंभीर

जबलपुर, (आरएनएस)। पाटन थाना क्षेत्र के ग्राम कन्तोरा में मंगलवार को जर्जर शासकीय स्कूल भवन को तोड़ने के दौरान बड़ा हादसा हो गया। भवन की छत अचानक भरभराकर गिरने से मलबे में दबकर एक श्रमिक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।जानकारी के अनुसार ग्राम कन्तोरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के जर्जर भवन को गिराने का कार्य चल रहा था। श्रमिक भवन तोड़ रहे थे, तभी अचानक छत ढह गई। मलबे की चपेट में आकर नुनसर निवासी 40 वर्षीय मनोज प्रजापति और 30 वर्षीय पवन दब गए। हादसे के बाद अन्य श्रमिकों और ग्रामीणों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को मलबे से बाहर निकालकर पाटन अस्पताल पहुंचाया गया।वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मनोज प्रजापति को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल पवन को उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच के साथ यह भी पता लगाया जा रहा है कि भवन ध्वस्तीकरण के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था या नहीं। हादसे के कारणों की विस्तृत जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

व्यापार समाचार

सोने और चांदी में लगातार दूसरे दिन गिरावट, करीब 1.20 प्रतिशत तक घटे दाम

मुंबई (ए.)।सोने और चांदी मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ खुले। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 1.20 प्रतिशत तक कम हो गया।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,46,917 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले हल्की गिरावट के साथ 1,46,566 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।शुरुआती कारोबार में ही इसमें गिरावट देखने को मिली। सुबह 9:52 पर यह 1,009 रुपए या 0.69 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,45,908 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था।अब तक के कारोबार में सोने ने 1,45,767 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,46,566 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है।चांदी में गिरावट देखी जा रही है। चांदी का 4 सितंबर 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,36,099 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 1,999 रुपए की गिरावट के साथ 2,34,100 रुपए प्रति किलो पर खुला।

शुरुआत कारोबार के बाद इसमें और बिकवाली देखने को मिली। यह 2,816 रुपए या 1.19 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,33,283 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,32,862 रुपए का न्यूनतम स्तर और 2,34,100 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है, जो कि इसका ओपनिंग लेवल भी है।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी में बिकवाली देखने को मिल रही है। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,141 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 61.41 डॉलर प्रति औंस पर था।

इसके अतिरिक्त, रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 27) की अप्रैल-जून अवधि में गोल्ड लोन सबसे बड़ी सिक्योर एसेट क्लास बन गई है। इसने वाहन लोन को भी पीछे छोड़ दिया है।

लॉन्च के दो साल बाद कंपनी ने बढ़ाई कीमतें, जानें अब कितने में मिलेगी यह बेस्ट सेलिंग कार

नई दिल्ली (ए.)। अगर आप भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में धूम मचा रही एमजी मोटर इंडिया की लोकप्रिय इलेक्ट्रिक कार 'एमजी विंडसर ईवी' (MG Windsor EV) खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आपके लिए एक बेहद जरूरी और झटका देने वाली खबर है। कंपनी ने जुलाई 2026 से इस कार के सभी वेरिएंट्स की कीमतों में भारी बढ़ोतरी करने का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। अलग-अलग मॉडल के हिसाब से कार की कीमतों में 40,000 रुपये से लेकर 60,000 रुपये तक का इजाफा किया गया है। कंपनी के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और उत्पादन लागत (मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट) में हुई बढ़ोतरी के कारण यह फैसला लेना पड़ा है। गौरतलब है कि हाल ही में किया (Kia) और टोयोटा (Toyota) जैसी दिग्गज वाहन कंपनियां भी अपने वाहनों के दाम बढ़ा चुकी हैं।बेस मॉडल पर सबसे ज्यादा बढ़े दाम, वेरिएंट के हिसाब से देखें नई कीमतेंएमजी विंडसर ईवी के एंट्री-लेवल यानी 'एक्साइट' (E&cite) बेस वेरिएंट की कीमत में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले यह वेरिएंट 14.10 लाख रुपये में मिलता था, लेकिन अब इसके लिए ग्राहकों को 60,000 रुपये ज्यादा यानी 14.70 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) चुकाने होंगे।

चीन से आने वाले कम कीमत वाले सामान पर ईयू ने लगाई नई कस्टम ड्यूटी

नई दिल्ली (ए.)। यूरोपीय यूनियन (ईयू) ने सस्ते सामानों पर 3 यूरो की एक समान कस्टम ड्यूटी लगाकर चीन को बड़ा झटका दिया है। इस कदम के जरिए ईयू की कोशिश चीन जैसे देशों से हो रहे आयात को संतुलित करना और पारदर्शिता को बढ़ाना है। यह जानकारी ग्रीक सिटी टाइम्स के आर्टिकल में दी गई।

ईयू की एएडीई (पब्लिक रेवेन्यू के लिए इंडिपेंडेंट अथॉरिटी) ने घोषणा की है कि 150 यूरो तक की कम कीमत वाले आयातित सामान पर कस्टम ड्यूटी से मिलने वाली छूट खत्म की जा रही है, जिसका सीधा असर विदेश से ऑनलाइन शॉपिंग पर पड़ेगा। अगले बुधवार से, ग्रीस और यूरोपियन यूनियन में कस्टम्स पर, बी2सी डिस्टेंस सेल्स के लिए हर डिक्लेरेशन लाइन पर 3 यूरो की एक खास एक समान शुल्क लगाया जाएगा।

इस उपाय का असर पहले से ही लोगों की दिख रहा है, क्योंकि कई ग्राहक कुल लागत में भारी बढ़ोतरी देखकर अपनी खरीदारी रद्द कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, तीन अलग-अलग उत्पादों पर लगने वाली एक समान शुल्क के कारण 6 यूरो के ऑर्डर पर 9 यूरो का अतिरिक्त खर्च जुड़ सकता है। इस तरह कुल खर्च 15 यूरो तक पहुंच जाता है, जिससे

चीन या अमेरिका जैसे देशों से खरीदारी करना पहले के मुकाबले कम आकर्षक हो गया है।

यह नई स्पेशल ड्यूटी अस्थाई है और एक जुलाई, 2028 तक लागू रहेगी। उसके बाद सभी ई-कॉमर्स गुड्स पर स्टैंडर्ड टैरिफ रेट के मुताबिक ही शुल्क लगेगा,चाहे वैल्यू कुछ भी हो।

कस्टम अधिकारी और इकोनॉमिक ऑपरेटर पहले से ही नए फ्रेमवर्क को लागू कर रहे हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि अगर कोई ऑर्डर 1 जुलाई के बाद कस्टम से गुजरता है, तो कूरियर डिलीवरी के लिए अतिरिक्त शुल्क मांग सकता है, भले ही मूल खरीदारी करते समय इस खर्च का अंदाजा न लगाया गया हो। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि हर पार्सल को एक अलग शिपमेंट माना जाता है।

ड्यूटी के सही भुगतान की जिम्मेदारी डिक्लेरेंट (घोषणा करने वाले) की होती है, जो आमतौर पर प्लेटफॉर्म, सेलर या कस्टम प्रतिनिधि होता है। कूरियर कंपनियां सीधे या अप्रत्यक्ष प्रतिनिधि के तौर पर काम करते हुए यह राशि अंतिम उपभोक्ता से वसूल सकती हैं। हालांकि, जब खरीदारी के समय वैट कलेक्शन के लिए आईओएसएस सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है, तो प्रक्रिया आसान हो जाती है, क्योंकि डिलीवरी के समय कोई नई देनदारी नहीं बनती।पार्सल में मौजूद सामान के बारे में गलत घोषणाओं से निपटने के लिए, प्रोडक्ट आइडेंटिफायर (पीआईडी) पेश किए जा रहे हैं। ये कोड कस्टम अधिकारियों को ज्यादा सटीक जांच करने और सामान की ट्रेसिबिलिटी (पता लगाने की क्षमता) सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यह सिस्टम प्लेटफॉर्म और स्टोर के गोदामों में लिस्टेड कोड को स्कैन करेगा।

सरकार : आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन ने पार किया 104 करोड़ स्वास्थ्य रिकॉर्ड का आंकड़ा

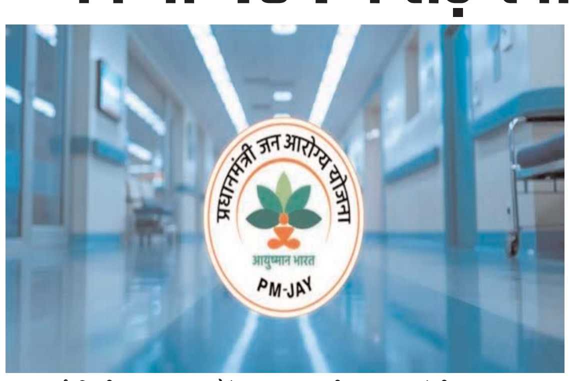

नई दिल्ली (ए.)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य पहल आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) ने दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल स्वास्थ्य नेटवर्क में अपनी जगह बना ली है। सरकार द्वारा सोमवार को जारी एक आधिकारिक फैक्टशीट के अनुसार, अब तक 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड को 93 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) से जोड़ा जा चुका है।

फैक्टशीट के अनुसार, यह मिशन नागरिकों को केंद्र में रखकर एक डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित कर रहा है। इसके जरिए मरीज अपने स्वास्थ्य रिकॉर्ड को सुरक्षित तरीके से प्रबंधित कर सकते हैं, अस्पतालों में कागजी प्रक्रिया कम होती है, पंजीकरण और इलाज के लिए इंतजार का समय घटता है तथा मरीजों, अस्पतालों, डॉक्टरों और बीमा कंपनियों के बीच एकीकृत डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से बेहतर समन्वय स्थापित होता है।

सितंबर 2021 में शुरू किए गए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य देश भर में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के लिए आवश्यक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ, प्रभावी और आपस में जुड़ी हुई (इंटरऑपरेबल) बन सकें।

मिशन के तहत आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (एबीएचए) प्रत्येक नागरिक के लिए एक विशिष्ट डिजिटल हेल्थ आईडी के रूप में काम करता है। मरीज की सहमति के आधार पर यह आईडी उसके मेडिकल रिकॉर्ड को अस्पतालों, प्रयोगशालाओं, बीमा कंपनियों और विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से सुरक्षित रूप से जोड़ती है।

सरकार ने हाल ही में आरोग्य सेतु 2.0 को भी एबीडीएम के तहत नागरिकों के लिए एक डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में लॉन्च किया है, जिसके जरिए उपयोगकर्ता एबीएचए अकाउंट बना सकते हैं, डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड का प्रबंधन कर सकते हैं, टेली-कंसल्टेशन और अस्पताल की अपॉइंटमेंट बुक कर सकते हैं, बीमा संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, आसपास की स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ले सकते हैं और वियरेबल डिवाइस के जरिए अपने स्वास्थ्य की निगरानी भी कर सकते हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

- सेंसेक्स 104 अंक, निफ्टी 31 अंक गिरा

मुम्बई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 104.35 अंक फिसलकर 78,180.72 पर जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.65 अंक टूटकर 24,398.70 पर बंद हुआ। निफ्टी के जो शेयर ऊपर आये उसमें आईटी कंपनी टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टाइटन कंपनी, एसबीआई शामिल थे जबकि अदानी एंटरप्राइजेज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अदानी पोर्ट्स के शेयर गिरे हैं। सेंसेक्स की 30 में से 19 कंपनियां आज गिरावट पर बंद हुईं। सेक्टोरल इंडेक्स में अधिकतर शेयरों में गिरावट रही। वहीं निफ्टी आईटी में 2.4 फीसदी की बढ़त हुई जबकि निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.9 फीसदी की बढ़त रही। निफ्टी रियल्टी में सबसे ज्यादा गिरावट आई। निफ्टी मेटल में 1 फीसदी की गिरावट आई, जबकि निफ्टी एनर्जी, निफ्टी फार्मा और निफ्टी मीडिया में 0.7 फीसदी की गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप में 0.4 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.55 फीसदी की गिरावट रही। बाजार में आई गिरावट का एक बड़ा कारण एशियाई बाजारों में कमजोरी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के जारी होने से पहले निवेशकों के सतर्कता बरतने से भी आई है। वहीं इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 123 अंक से अधिक की बढ़त के साथ 78,400 के स्तर को खुला था जबकि निफ्टी50 24.10 अंक की मजबूती के साथ 24,454.45 पर पहुंच गया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

अपनी सीढ़ी तैयार करने ही होगी

बिना अपनी जमीन तैयार किए चीन की आपूर्ति शृंखला से जुड़कर विकसित होने की सोच समस्याग्रस्त है। विकास के लिए भारत को आखिरकार अपना मॉडल और अपनी सीढ़ी तैयार करनी ही होगी।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष अनंत गोयनका की ये राय अहम है कि भारत को चीन से बचने की कोशिश के बजाय उससे कारोबारी संबंध बढ़ाने चाहिए। मैनुफैक्चरिंग क्षमता की मजबूती, नवाचार को बढ़ावा और वैश्विक आपूर्ति शृंखला से अधिक गहराई से जुड़ने के लिए ऐसा करना जरूरी है। फिक्की के सदस्य सीईओज के एक दल की पांच दिवसीय चीन यात्रा के बाद गोयनका चीन ये तीन खास बातें कही: पहली, चीन कड़े मुकाबले वाले एक फाइटिंग रिंग की तरह है। वहां कंपनियां ऐसे 2-3 प्रतिशत की मार्जिन (मुनाफे) पर काम करती हैं। इस प्रतिस्पर्धा में सिर्फ कठोर और सर्वश्रेष्ठ कंपनियां ही टिक पाती हैं। दूसरी, वहां अनुसंधान एवं विकास और ऑटोमेशन उच्चतम स्तर पर हैं। कंपनियां इन क्षेत्रों में निवेश दास साल के भविष्य को ध्यान में रखकर करती हैं, ना कि किसी तिमाही नतीजे को देख कर।

और तीसरी बात यह कि वहां सरकार एक मूक शेयरधारक है। सस्ता कर्ज, जमीन, बिजली और नीतिगत सहयोग इस पैमाने पर मिलता है कि प्रति इकाई लागत और मुनाफे का गणित बदल जाता है। इस कारण दूसरे देशों की कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा का धरातल समान नहीं रह जाता। गोयनका की टिप्पणियां भारतीय कारोबारी सोच में बड़े बदलाव का संकेत हैं। भारतीय उद्योगपति अब इस भय से निकल गए हैं कि चीन भारत पर हावी हो सकता है। बल्कि राय यह उभरी है कि औद्योगिक विकास के अगले दौर में जाने के लिए चीनी आपूर्ति शृंखला से जुड़ना आवश्यक हो गया है।

लेकिन गोयनका का यह तर्क विवादास्पद है कि भारत को औद्योगिक विकास के पारंपरिक चरणों को छोड़ देना कर सीधे डिजिटल रूप से एकीकृत, कम इंसानी दखल वाले उत्पादन की ओर बढ़ना चाहिए। उल्लेखनीय है कि हर विकसित देश ने ऑटोमेशन तब अपनाया, जब वह बड़े पैमाने पर उत्पादन को व्यवस्थित करना सीख चुका था। नीचे की सीढ़ियां छोड़कर भारत सीधे चोटी पर नहीं पहुंच सकता। यानी बिना अपनी जमीन तैयार किए चीन से जुड़कर विकसित होने की सोच समस्याग्रस्त है। विकास के लिए भारत को आखिरकार अपना मॉडल और अपनी सीढ़ी तैयार करने ही होगी।

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है-साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और

कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरुआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है।

विचार प्रवाह :- (आत्म मंथन)

दाग़ दामन पर लिए, यहाँ हर आदमी चलता है,
मगर जो टूटकर संभले,
सच में वही इंसान बनता है।
सबसे बड़ा क़सूर है संजर ख़ुद को ख़ुदा समझना,
दूसरों के कष्टों या भूल पर, निर्दयता से हँसना।
बिना गुनाह के जीवन जीना तो शायद एक ख्वाब ही है,
हर ग़लती से कुछ सीखना, जिंदगी को जिंदगी का जवाब है।
दिल में हमेशा करुणा आलोक तुम रखो,
पछतावा कम करो,
तुम इंसान ऐ- राही हो, देवता होने का भ्रम न करो।

- आलोक संजर (पूर्व सांसद)

कन्या भ्रूण हत्या पर निर्णायक प्रहार

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी/

सिर्फ डॉक्टर नहीं,पूरा सिंडिकेट निशाने पर: पीसीपीएनडीटी अधिनियम को और कठोर बनाने की दिशा में महाराष्ट्र सरकार का संभावित बड़ा कदम कन्या भ्रूण हत्या में डॉक्टर के साथ दलाल, एजेंट,अवैध सोनोग्राफी केंद्र, नकली दस्तावेज तैयार करने वाले लोग तथा आर्थिक लाभ के लिए संगठित रूप से काम करने वाले गिरोह शामिल होना मकोका का आधार वैश्विक स्तरपर भारत को सदियों से मातृशक्ति की पूजा करने वाली सभ्यता माना जाता है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। अर्थात जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं देवताओं का वास होता है। किंतु विडंबना यह है कि आधुनिक विज्ञान की प्रगति का कुछ लोगों ने दुरुपयोग कर कन्या भ्रूण हत्या जैसे अमानवीय अपराध को जन्म दिया अल्ट्रासोनोग्राफी जैसी तकनीक, जिसका उद्देश्य गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य की रक्षा करना था,उसे भ्रूण के लिंग का अवैध परीक्षण कर बेटियों के जन्म से पहले ही उनका जीवन समाप्त करने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि संविधान, मानवाधिकार, महिला सम्मान और मानवता पर सीधा प्रहार है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन : भारत के डिजिटल स्वास्थ्य का आधार

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) ने विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचनाओं में से एक का निर्माण किया है। इसके अंतर्गत 104 करोड़ से ज्यादा स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से अधिक आभा खातों से जोड़े गए हैं। एबीडीएम ने कागजी कार्रवाई को खत्म कर और इंतजार के समय में कमी लाकर रोगियों को बीमाकर्ताओं, अस्पतालों और डॉक्टरों से एक एकीकृत नेटवर्क से जोड़ दिया है।

डिजिटल स्वास्थ्य अवसंरचना का निर्माण

भारत सबके लिए स्वास्थ्य सुविधा की ओर लगातार बढ़ रहा है, जहाँ हर कोई बिना किसी आर्थिक कठिनाई के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकता है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मज़बूत डिजिटल आधार की ज़रूरत है। स्वास्थ्य सेवाओं को ज़्यादा आसान, कुशल और सुलभ बनाने के लिए एक मज़बूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना अनिवार्य है।

एक डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम:

मरीज़ों के रिकॉर्ड को सुरक्षित रूप से रखने में मदद करता है।

लोगों को स्वास्थ्य सेवा और बीमा प्रदाताओं से जोड़ता है।

यह स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स को आसानी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की सुविधा देता है, जिससे नागरिक देश भर में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़े किसी भी स्वास्थ्य केंद्र पर अपने स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड्स को सुरक्षित रूप से देख और शेयर कर सकते हैं।

यह बिना पहचान वाले गोपनीय स्वास्थ्य डेटा तैयार करता है।

इस डेटा का उपयोग स्वास्थ्य योजना और सेवा वितरण में सुधार करने के साथ-साथ भारत के उभरते हुए कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए किया जा सकता है। इस तरह की अवसंरचना के होने से बीमारी पर नज़र रखने, निदान और स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में नए नवाचार की संभावना बनती है।

इसे ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने एक एकीकृत और नागरिक-केंद्रित राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम विकसित करने के लिए सितंबर 2021 में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) की शुरुआत की।

एक एबीडीएम-सक्षम सॉफ्टवेयर का उपयोग करके, स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (आभा) से जुड़े डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड बना सकते हैं। इसके अलावा, वे मरीज की सहमति लेने के बाद उनके पिछले रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से देख सकते हैं और मरीज़ की ऐसी मंज़ूरी, जिसे कभी भी वापस लिया जा सके और जो एक तय समय के लिए हो, के ज़रिए डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

आभा आधार की तरह एक विशिष्ट पहचान है, जो लोगों को सुरक्षित रूप से व्यापक स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ता है। यह मरीजों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने में मदद करता है। वे इस एक अंतर-संचालनीय नेटवर्क के माध्यम से अपने पूरे मेडिकल इतिहास को सुरक्षित रखते हुए बीमा कंपनियों, स्वास्थ्य सुविधाओं, डॉक्टरों और अन्य सेवाओं से जुड़ सकते हैं।

मई 2026 में हासिल की गई एक बड़ी उपलब्धि के तहत, अब 104 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड 93 करोड़ से भी ज़्यादा आभा खातों से जुड़ चुके हैं। यह एक व्यवस्थित डिजिटल सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र की दिशा में अहम प्रगति है।

एबीडीएम: एक संपूर्ण डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र

आभा के अलावा, एबीडीएम एक पूर्ण रूप से विकसित डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र है। यह मरीजों को उनके मेडिकल रिकॉर्ड से जोड़ता है, बीमा कंपनियों को अस्पतालों से जोड़ता है, और सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को एक ही नेटवर्क पर लाता है।

आभा संख्या: 14 अंकों की एक विशिष्ट स्वास्थ्य पहचान या संख्या जो आपकी सहमति से विभिन्न अस्पतालों, लैब, बीमा कंपनियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आपके सभी स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़ती है।

स्वास्थ्य व्यावसायिक पंजीयन: देश के सभी स्वास्थ्य पेशेवर डॉक्टरों से लेकर आयुष चिकित्सकों तक का पंजीयन, जो सत्यापित होते हैं और डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं।

स्वास्थ्य सुविधा रजिस्ट्री: सभी सरकारी और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं—जैसे अस्पतालों, क्लीनिकों, लैब और फार्मेसियों का एक राष्ट्रीय पंजीकरण, जो सभी एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं।

यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेस: स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक खुला नेटवर्क—जैसे स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए यूपीआई। इसके ज़रिए किसी भी ऐप से अपॉइंटमेंट बुक करें, डॉक्टरों से परामर्श लें और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं का पता लगा सकते हैं।

आरोग्य सेतु 2.0: यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड (पीएचआर) के लिए एक एकीकृत माध्यम के रूप में कार्य करता है, जिससे देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की रफ़्तार को तेज़ किया जा रहा है।

आरोग्य सेतु 2.0

मूल रूप से भारत के कोविड-19 ट्रेसिंग एप्लिकेशन (कोविड-19 संपर्क में आने वालों का पता लगाने वाला एप) के रूप में विकसित, आरोग्य सेतु को एबीडीएम के तहत नागरिकों के लिए एक व्यापक डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में बदल दिया गया है। यह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं और एक व्यक्तिगत स्वास्थ्य रिकॉर्ड के लिए एक एकीकृत गेटवे के रूप में कार्य करता है, जो देश भर में डिजिटल स्वास्थ्य को अपनाने की गति को तेज़ कर रहा है।आरोग्य सेतु 2.0 को 29 जून, 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा एबीडीएम के तहत एक नए रूप और नागरिक-केंद्रित डिजिटल स्वास्थ्य एप्लिकेशन के रूप में शुरू किया गया था।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए नए अनुभवों से भरा रहने वाला है। परिवार के लोगों से आपको सहयोग मिलेगा। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आप नया काम शुरू करने की योजना बनायेंगे, आगे चलकर इससे आपको फायदा होगा। इस राशि के छात्रों के सफलता का स्तर बाकी लोगों की तुलना में अच्छा रहेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला रहेगा। व्यस्तता के बावजूद रचनात्मक कामों में रुचि बनी रहेगी। घर में नवीनीकरण और साज-सज्जा से जुड़े बदलाव कर सकते हैं इससे पारिवारिक माहौल में नई ऊर्जा आएगी। जीवनसाथी किसी काम के लिये आपकी तारीफ कर सकते है, इससे आपका मन खुश रहेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे। व्यवसाय में नए लोगों से संपर्क बनेंगे, जिससे उन्नति के नए स्रोत बनेगे आज प्रतिद्वंदी कमजोर रहेंगे। गवर्नमेंट से जुड़े कामों में सफलता मिलेगी। अपने संपर्कों का सही उपयोग करें।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए सफलता के नए अवसर लेकर आएगा। आपका आदर्शवादी व्यक्तित्व अन्य लोगों के लिए मिसाल बनेगा। व्यापार की गति सामान्य बनी रहेगी।आज माता-पिता के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे।

सिंह राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। घर में भाई-बहन की मदद से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए।

कन्या राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज किसी धार्मिक या सामाजिक आयोजन में योगदान देने से मन को खुशी मिलेगी आपका मान- सम्मान बढ़ेगा और आसपास के लोग आपकी कार्यशैली की सराहना करेंगे। आज आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज कारोबार से जुड़े मामलों में दूसरों पर भरोसा करने के बजाय फैसले खुद लेने का प्रयास करें। आज किसी भी पार्टी के साथ बिजनेस डील करते समय अपना आत्मविश्वास बनाए रखें आय की स्थिति बेहतर होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। आज परिवारजनों के साथ खुशियों के पल बितायेंगे। आज अपने बड़े भाई से नई बात आपको सीखने को मिलेगी। आज आपको किसी भी तरह की मानसिक उलझन से मुक्ति मिलेगी, जिससे काफी राहत महसूस करेंगे।

धनु राशि:आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। शैक्षणिक कार्यों में आज आपका मन लगेगा। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों को आज सफलता मिलेगी। परिवार में आज किसी सदस्य से छोटी मोटी नोक झोंक होने की संभावना है। बेहतर होगा आज बेवजह किसी भी मामले में बिना मांगे सलाह न दें और किसी के व्यक्तिगत मामले में भी दखल देने से बचें।

मकर राशि: आज आपको अच्छी खबर मिलेगी, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। यदि आप सोशल वर्क से जुड़े है तो आज आपको किसी नए कॉन्टैक्ट से फायदा होगा। आज आपके विरोधी भी आपकी उदारता से बहुत प्रभावित होंगे और रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

कुंभ राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। लम्बे समय से चल रहा कोर्ट-कचहरी के मामले को निपटने के लिए किसी ख़ास दोस्त से फ़ोन पर ही राय लेंगे। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आज आपके कारोबार में तरक्की के योग बन रहे है। सामाजिक क्षेत्र में आज आपकी छवि अच्छी होगी।

मीन राशि:आज आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। कुछ प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा और आपके व्यक्तित्व में नया निखार आयेगा जिससे आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

बांग्लादेश की बदलती सैन्य सोच और भारत के सामने नई सुरक्षा चुनौती

कांतिलाल मांडोत/

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय साझेदारियों में गिने जाते रहे हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश के स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में उदय में भारत की निर्णायक भूमिका रही थी। दोनों देशों ने दशकों तक सुरक्षा, व्यापार, जल बंटवारे, सीमा प्रबंधन और सांस्कृतिक संबंधों के क्षेत्र में उल्लेखनीय सहयोग किया। किंतु पिछले कुछ समय से बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति, उसकी सैन्य सोच और विदेश नीति में दिखाई दे रहे बदलावों ने नई चिंताओं को जन्म दिया है। विशेष रूप से बांग्लादेशी सेना में धार्मिक प्रतीकों और इस्लामी पहचान को अधिक प्रमुखता देने की खबरों ने भारत सहित पूरे क्षेत्र का ध्यान आकर्षित किया है।

हाल के घटनाक्रमों के अनुसार बांग्लादेशी सेना की कुछ नई बटालियनों का नाम इस्लामी इतिहास के शुरुआती खलीफाओं के नाम पर रखा गया है और सेना के पारंपरिक राष्ट्रवादी नारों के स्थान पर धार्मिक नारों को महत्व दिए जाने की चर्चा भी सामने आई है। यदि यह प्रवृत्ति आगे बढ़ती है तो यह केवल सैन्य परंपरा का परिवर्तन नहीं होगा, बल्कि बांग्लादेश की बदलती वैचारिक दिशा का संकेत भी माना जाएगा। किसी भी सेना का चरित्र केवल उसके हथियारों से नहीं, बल्कि उसके मूल्यों, प्रतीकों और प्रशिक्षण से भी निर्धारित होता है।

शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश की राजनीति में इस्लामी संगठनों और धार्मिक समूहों का प्रभाव बढ़ने की चर्चा लगातार हो रही है। लंबे समय तक अवामी लीग ने धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवाद और जय बांग्ला की भावना को राष्ट्रीय पहचान का आधार बनाया था। अब यदि सेना के भीतर धार्मिक पहचान को अधिक महत्व दिया जा रहा है तो यह

उस वैचारिक परिवर्तन का हिस्सा माना जा सकता है जो देश की राजनीति और समाज में भी दिखाई दे रहा है।

बांग्लादेश की इस बदलती सोच के पीछे अनेक कारण हो सकते हैं। पहला कारण घरेलू राजनीति है। किसी भी देश की सरकार और सत्ता प्रतिष्ठान अपने समर्थक सामाजिक वर्गों को संतुष्ट करने के लिए कई बार सांस्कृतिक और धार्मिक प्रतीकों का उपयोग करते हैं। यदि इस्लामी संगठनों का प्रभाव बढ़ता है तो सेना सहित अन्य संस्थाओं पर भी उसका प्रभाव दिखाई देना स्वाभाविक माना जाता है।

दूसरा कारण क्षेत्रीय शक्ति संतुलन है। बांग्लादेश आज चीन और पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। रक्षा उपकरणों की खरीद, सैन्य प्रशिक्षण और संयुक्त अभ्यास इसी रणनीति का हिस्सा माने जाते हैं। इससे वह अपने रक्षा विकल्पों को व्यापक बनाना चाहता है ताकि किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता न रहे।

तीसरा कारण भारत के साथ कुछ पुराने और नए विवाद भी हैं। सीमा पर अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा, जल बंटवारा, व्यापारिक असंतुलन तथा राजनीतिक बयानबाजी जैसे मुद्दों ने समय-समय पर दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित किया है। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक और धार्मिक समूह भारत विरोधी भावनाओं को घरेलू राजनीति में समर्थन जुटाने के लिए भी इस्तेमाल करते रहे हैं। हालांकि यह कहना उचित नहीं होगा कि पूरा बांग्लादेश या उसकी पूरी जनता भारत विरोधी है। वहां बड़ी संख्या में ऐसे नागरिक, बुद्धिजीवी और व्यापारी भी हैं जो भारत के साथ अच्छे संबंधों को अपने देश के हित में मानते हैं।

भारत के दृष्टिकोण से सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा का है। यदि भारत-बांग्लादेश सीमा के निकट सैन्य गतिविधियां बढ़ती हैं या सीमा क्षेत्रों में तनाव का वातावरण बनता है तो उसका सीधा प्रभाव असम, त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों पर पड़ सकता है। भारत पहले ही सीमा पर आधुनिक निगरानी व्यवस्था, बाड़ और सुरक्षा बलों की तैनाती को मजबूत कर चुका है। ऐसे में किसी भी प्रकार की उकसाने वाली गतिविधि या घुसपैठ की संभावना पर स्वाभाविक रूप से गंभीर नजर रखी जाएगी।अवैध घुसपैठ भी लंबे समय से भारत के लिए एक संवेदनशील विषय रही है। भारत ने हाल के वर्षों में सीमा प्रबंधन को अधिक सख्त बनाया है और अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई पर भी जोर दिया है। इस कारण दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर समय-समय पर तनाव की स्थिति बनी है। हालांकि यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि किसी भी अवैध गतिविधि के लिए पूरे समुदाय या पूरे देश को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होता। सीमा सुरक्षा और कानून का पालन दोनों देशों की साझा जिम्मेदारी है।

जहां तक मुस्लिम खलीफाओं के नाम पर सैन्य इकाइयों के गठन का प्रश्न है, इसके कई अर्थ निकाले जा सकते हैं।

आस्था के मार्ग पर अव्यवस्था का बोझः माता वैष्णो देवी यात्रा में श्रद्धालुओं को कई चुनौतियों का सामना

वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता और व्यवस्थाओं पर बड़े सवाल

कटरा (संदीप पंडा)। जिसे माता का बुलावा आता है, वही उनके दरबार तक पहुंच पाता है। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी यह मान्यता आज भी उतनी ही मजबूत है। हर वर्ष लाखों श्रद्धालु कठिन चढ़ाई पार कर माता वैष्णो देवी के पवित्र भवन में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। लेकिन क्या माता के दरबार तक पहुंचने का सफर उतना ही सहज और सुरक्षित है, जितना होना चाहिए?

हमारी पड़ताल और अनेक श्रद्धालुओं से हुई बातचीत में यात्रा मार्ग से जुड़े कई ऐसे मुद्दे सामने आए, जिन पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता महसूस होती है। श्रद्धालुओं का कहना है कि यात्रा का आध्यात्मिक अनुभव कई बार व्यवस्थागत कमियों के कारण प्रभावित हो जाता है।

सबसे बड़ी चुनौती—एक ही मार्ग पर पैदल श्रद्धालु और घोड़े-खच्चरों की आवाजाही

बाणगंगा से अर्धकुमारी तक का पारंपरिक ट्रैक हजारों श्रद्धालुओं से भरा रहता है। इसी मार्ग पर घोड़े, खच्चर, पालकी और पिट्ठू सेवाएं भी संचालित होती हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि कई स्थानों पर पैदल यात्रियों और घोड़े-खच्चरों की आवाजाही एक साथ होने से अव्यवस्था जैसी स्थिति बन जाती है। विशेषकर बुजुर्ग, महिलाएं और छोटे बच्चों के साथ यात्रा कर रहे परिवार स्वयं को असुरक्षित महसूस करते हैं। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि तेज गति से निकलते घोड़े-खच्चरों के कारण उन्हें बार-बार किनारे होना पड़ता है और कई बार लोग गिरकर चोटिल भी हो जाते हैं।

रास्ता छोड़ो...की आवाजों के बीच चलता है श्रद्धालुओं का सफर

कई यात्रियों का कहना है कि कुछ घोड़ा संचालक जल्दी निकलने के लिए ऊंची आवाज में रास्ता खाली करने को कहते हैं। भीड़भाड़ के समय इससे अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन जाती है। हालांकि यह अनुभव सभी यात्रियों का नहीं है, लेकिन जिन लोगों को इसका सामना करना पड़ता है, उनके लिए यात्रा तनावपूर्ण हो जाती है।

नया मार्ग भी पूरी तरह राहत नहीं देता

अर्धकुमारी से भवन तक बने नए मार्ग को अपेक्षाकृत सुविधाजनक माना जाता है, लेकिन कई श्रद्धालुओं ने बैटरी कारों की आवाजाही को लेकर भी चिंता जताई। उनका कहना है कि भीड़ के समय पैदल यात्रियों को बार-बार रास्ता छोड़ना पड़ता है, जिससे विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों के साथ चल रहे परिवारों को असुविधा होती है।

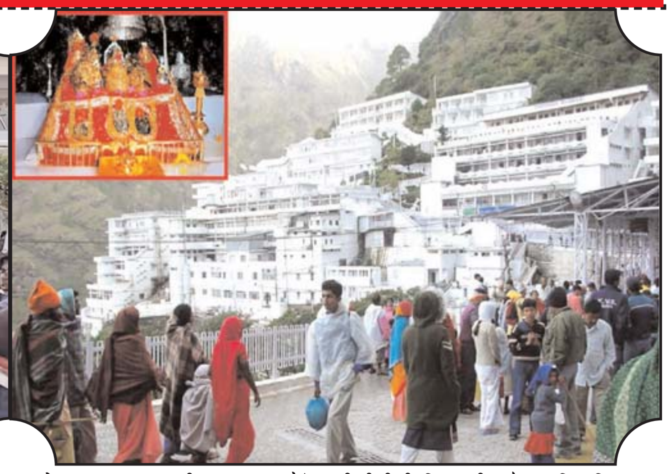

क्या यात्रा मार्ग पर तय कीमतों का पालन हो रहा है?

कई श्रद्धालुओं ने आरोप लगाया कि यात्रा मार्ग पर कुछ दुकानों में पेयजल, खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुएं निर्धारित मूल्य से अधिक दरों पर बेची जाती हैं। यदि प्रत्येक दुकान पर मूल्य सूची स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हो और नियमित जांच की जाए, तो इस प्रकार की शिकायतों में कमी आ सकती है।

स्वच्छता पर भी उठे सवाल

श्रद्धालुओं के अनुसार यात्रा मार्ग पर घोड़े-खच्चरों की आवाजाही के कारण कई स्थानों पर मल-मूत्र जमा हो जाता है। सफाई कर्मचारी लगातार कार्य करते दिखाई देते हैं, फिर भी भीड़ और लगातार संचालन के कारण कुछ हिस्सों में दुर्गंध और फिसलन की समस्या बनी रहती है। यात्रियों का कहना है कि यह न केवल असुविधाजनक है बल्कि दुर्घटनाओं का कारण भी बन सकता है।

शिकायत कहां करें?

कई यात्रियों का कहना है कि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत शिकायत दर्ज कराने या मौके पर समाधान प्राप्त करने की व्यवस्था हर जगह स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती। उनका सुझाव है कि हेल्प डेस्क, आपातकालीन सहायता केंद्र, सीसीटीवी निगरानी और त्वरित शिकायत निवारण प्रणाली को और सशक्त बनाया जाए।

श्रद्धालुओं की प्रमुख मांगें

-पैदल यात्रियों और घोड़े-खच्चरों के लिए अलग-अलग लेन या बेहतर यातायात प्रबंधन।
-भीड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती।
-बैटरी कारों के संचालन के लिए स्पष्ट गति सीमा और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के विशेष उपाय।
-दुकानों पर मूल्य सूची का अनिवार्य प्रदर्शन और नियमित निरीक्षण।
यात्रा मार्ग की अधिक बार सफाई और आधुनिक अपशिष्ट प्रबंधन।
शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए प्रभावी हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम।

बड़ा सवाल

माता वैष्णो देवी धाम केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का प्रतीक है। ऐसे में यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि यात्रा मार्ग भी उसी स्तर की सुरक्षा, स्वच्छता और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं का उदाहरण बने। यदि यात्रा के दौरान सामने आ रही समस्याओं पर समय रहते प्रभावी कदम उठाए जाएं, तो श्रद्धालुओं की आस्था के साथ उनका यात्रा अनुभव भी कहीं अधिक सुरक्षित, सम्मानजनक और सुखद हो सकता है।

केजरीवाल ने केंद्र को घेराः 'एक मंत्री कुछ कहता है, तो दूसरा मंत्री कुछ और', ई20 ईंधन पर सरकार बोल रही झूठ

नई दिल्ली, (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई20 ईंधन को लेकर जनता में भारी विरोध है। इसके बावजूद केंद्र सरकार अपने रुख

पर अड़ी हुई है। केजरीवाल ने कहा कि उन्हें सरकार की इस जिद का कारण नहीं पता। सरकार अपनी बात से पीछे हटने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार एक के बाद एक झूठे दावे कर रही है। एक मंत्री कुछ कहता है, तो दूसरा मंत्री कुछ और।

केजरीवाल के अनुसार, केंद्र सरकार लोगों को ई20 ईंधन स्वीकार करने और उपयोग करने के लिए राजी करने के लिए नई रणनीतियां अपना रही है। सरकार भ्रामक दावे कर रही है। 3 जुलाई को केंद्र सरकार ने छह वाहन निर्माताओं के प्रतिनिधियों को बुलाया था।सरकार ने इन कंपनियों से एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित करने को कहा। उन्हें जनता को यह बताना था कि ई20 ईंधन पूरी तरह से ठीक है। इन कंपनियों में मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर, हीरो मोटोकॉर्प, हुंडई मोटर, बजाज ऑटो और टीवीएस मोटर कंपनी शामिल हैं।

सोलोमन द्वीपसमूह की स्वतंत्रता के 48 साल, विदेश मंत्री ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, (आरएनएस)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को सोलोमन द्वीपसमूह को उनकी स्वतंत्रता की 48वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं दीं। वहां की सरकार और जनता को बधाई देते हुए एक तस्वीर साझा की जो प्रगाढ़ द्विपक्षीय संबंधों का उदाहरण है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से एस जयशंकर ने अपने समकक्ष, सोलोमन द्वीपसमूह के विदेश मंत्री रिकी नेल्सन होएनिपवेला, को भी बधाई दी।

जयशंकर ने लिखा, विदेश मंत्री रिकी नेल्सन होएनिपवेला, सोलोमन द्वीपसमूह की सरकार और वहां की जनता को स्वतंत्रता की 48वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं।

उनकी पोस्ट के साथ साझा की गई तस्वीर फरवरी 2025 की है। तब भारत ने सोलोमन द्वीपसमूह के नेशनल रेफरल हॉस्पिटल को एक डायलिसिस मशीन उपहार स्वरूप प्रदान की थी।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, भारत और सोलोमन द्वीपसमूह के बीच राजनयिक संबंध मई 1987 में स्थापित हुए थे। सोलोमन द्वीपसमूह ने 2003 में नई दिल्ली में अपना मानद वाणिज्य दूतावास स्थापित किया था।16 मार्च 2023 को सोलोमन द्वीपसमूह का एक प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली में अपना स्थायी राजनयिक मिशन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए भारत पहुंचा था। दोनों देशों के संबंध मैत्रीपूर्ण हैं, और बहुपक्षीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर राजनीतिक सहयोग निरंतर बना हुआ है। पोर्ट मोरेस्बी स्थित भारतीय मिशन को सोलोमन द्वीपसमूह के लिए भी मान्यता प्राप्त है।

पत्नी और प्रेमी ने मिलकर अपने ही पति की कर दी दर्दनाक हत्या

तमाड़ (आरएनएस)। -बुंडू थाना क्षेत्र में 19 जून को सुमनडीह गांव के समीप तेतरटांड़ जंगल से बरामद सिरकटे और अधजले शव की गुत्थी 17 दिनों बाद पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में मृतक तमाड़ थाना क्षेत्र के मांझीडीह निवासी संजय लोहरा की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर तमाड़ थाना क्षेत्र के सुंदरडीह स्थित रानी वन से जमीन में दबा मृतक का कटा हुआ सिर भी बरामद कर लिया। हत्या में प्रयुक्त कार भी जब्त कर ली गई है। बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश ने बताया कि 19 जून को बरामद सिरकटा और अधजला शव पुलिस के लिए ब्लाइंड मर्डर था। मृतक का सिर नहीं मिलने के कारण जांच चुनौतीपूर्ण थी। लगातार 17 दिनों तक तकनीकी साक्ष्यों, फॉरेंसिक जांच और वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। पूछताछ के दौरान आरोपी प्रेमी की निशानदेही पर सुंदरडीह के रानी वन से सिर बरामद किया गया। बरामदगी के दौरान बुंडू डीएसपी ओमप्रकाश, तमाड़ अंचल अधिकारी समरेश प्रसाद भंडारी, बुंडू थाना प्रभारी जयदीप टोप्पो, तमाड़ थाना प्रभारी दुलाल कुमार महतो, बुंडू एसआई रंजीत कुमार, एफएसएल टीम तथा पुलिस बल मौजूद रहे।डीएसपी ने बताया कि अब तक की जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा सामने आया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पत्नी ने अपने प्रेमी और उसके दो अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

सुरक्षा में कटौती पर लालू प्रसाद यादव की दो टूक, कहा-मैं बिहार का शेर हूं, मुझे सुरक्षा की कोई चिंता नहीं

पटना ,(आरएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को अपनी सुरक्षा को लेकर जताई जा रही चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें इससे कोई समस्या नहीं है और उन्होंने खुद को बिहार का शेर बताया। सुरक्षा स्तर में कमी को लेकर आईएएनएस से विशेष बातचीत में लालू यादव ने कहा, मैं बिहार का शेर हूं और मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा कथित रूप से राजनीतिक निशाना बनाए जाने के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा,उन्हें निशाना बनाने दो।इस मुद्दे पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चुप्पी के बारे में पूछे जाने पर लालू यादव ने जवाब दिया, हां, हर कोई चुप है।विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव द्वारा पार्टी का प्रभावी नेतृत्व करने के सवाल पर आरजेडी सुप्रीमो ने कहा, हां, वह पार्टी को अच्छी तरह से आगे ले जा रहे हैं। इसमें कोई समस्या नहीं है।उनकी ये टिप्पणी 2 जुलाई को बिहार की राजनीति के सबसे प्रतिष्ठित पतों में से एक, पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित बंगले के एक नए अध्याय में प्रवेश करने के कुछ दिनों बाद आई है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने लगभग 20 वर्षों तक वहां रहने के बाद सरकारी बंगले को खाली कर दिया था।

TMC फंड केसः अभिषेक बनर्जी की चार्टर्ड फ्लाइट्स तक पहुंची आंच, ED की 5 ठिकानों पर ताबड़तोड़ रेड

कोलकाता (आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस (TMC) के बैंक खातों और चुनावी चंदे में मचे घमासान के बीच प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने मंगलवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

केंद्रीय जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमों ने कोलकाता और उसके आसपास सॉल्ट लेक, राजारहाट और राधाबाजार समेत पांच ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी है। ईडी के अधिकारी केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों को साथ लेकर एक चार्टर्ड एविएशन कंपनी के डायरेक्टरों के घर और दफ्तरों को खंगाल रहे हैं। यह पूरा मामला टीएमसी के खातों में हुए संदिग्ध लेन-देन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच से जुड़ा हुआ है। मंगलवार सुबह ईडी की टीम सबसे पहले 'केयरवेल एविएशन' नाम की कंपनी के निदेशकों के आवास पर पहुंची। जांच में यह अहम बात सामने आई है कि इसी कंपनी के प्राइवेट विमानों और हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल टीएमसी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और पार्टी के अन्य बड़े नेता अपने दौरों के लिए करते रहे हैं। सॉल्ट लेक स्थित कंपनी के दो निदेशकों, पवन जाजू और राजेश जाजू के घर पर टीम मौजूद है और उनसे बंद कमरे में गहन पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही राजारहाट और राधाबाजार स्थित केयरवेल एविएशन के दफ्तरों पर भी छापेमारी चल रही है। जांच का मुख्य फोकस इस बात पर है कि क्या नेताओं के लिए बुक होने वाले इन महंगे चार्टर्ड विमानों का भुगतान टीएमसी के उन्हीं विवादित खातों से किया जा रहा था।

चढ़ावा चोरी विवाद पर विहिप का बड़ा बयान, ट्रस्ट की कार्रवाई को बताया पूरी तरह सही

नई दिल्ली,(आरएनएस)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा घोटाले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग उठाई है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने अमर उजाला डॉट कॉम के विशेष कार्यक्रम खरी बात में दोटूक कहा कि इस पूरे प्रकरण की ऐसी गंभीर जांच होनी चाहिए, जिसके दायरे से कोई भी रसूखदार व्यक्ति या पहलू बाहर न छूट पाए। हालांकि, उन्होंने मंदिर के प्रबंधन को सरकारी हाथों में सौंपने के विचार का कड़ा विरोध किया है। उनका मानना है कि सरकारी व्यवस्थाओं में भी अनियमितताओं की आशंका बनी रहती है। विहिप के अनुसार, राम मंदिर तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की ओर से इस मामले में कोई कोताही नहीं बरती गई है, क्योंकि ट्रस्ट ने खुद ही तत्परता दिखाते हुए पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई और जांच में सहयोग कर रहा है।

चंपत राय और जमीन खरीद विवाद पर विहिप का रुख

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर लग रहे आरोपों को लेकर आलोक कुमार ने कहा कि अभी यह प्रमाणित होना बाकी है कि उन पर उठाए जा रहे सवाल कितने सही हैं। जमीन खरीद में सामने आई कथित गड़बड़ियों पर उन्होंने साफ किया कि यह पूरा विषय एसआईटी (SIT) की एफआईआर और जांच के दायरे में है, इसलिए अंतिम रिपोर्ट आने से पहले कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस विषय में उनके पास कुछ तथ्यात्मक जवाब मौजूद हैं, लेकिन उन्हें सार्वजनिक करने का यह सही समय नहीं है

CJP को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत, एक्स अकाउंट होगा अनब्लॉक; केंद्र सरकार ने भी दी सहमति

नई दिल्ली (ए.)। सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) बनाकर सनसनी मचाने वाले अभिजीत दीपके को दिल्ली हाई कोर्ट से एक बड़ी खुशखबरी मिली है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत ने केंद्र सरकार द्वारा ब्लॉक किए गए CJP के एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट को अनब्लॉक करने का आदेश दिया है। इस रोक के खिलाफ अभिजीत दीपके ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। इस मामले में सबसे खास बात यह रही कि केंद्र सरकार ने भी अदालत में सहमति जताई कि अब इस सोशल मीडिया अकाउंट को अनब्लॉक किया जा सकता है।परीक्षा के कारण लगाया गया था बैन: सॉलिसिटर जनरल

केंद्र सरकार की ओर से अदालत में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच को बताया कि NEET परीक्षा लंबित होने के कारण इस अकाउंट को ब्लॉक किया गया था। सरकार का मानना था कि इसके कुछ पोस्ट्स से परीक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के बीच आपाधापी या भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती थी। उन्होंने अदालत को बताया कि चूंकि अब यह परीक्षा संपन्न हो चुकी है, इसलिए इस अकाउंट को ब्लॉक रखने का प्राथमिक उद्देश्य समाप्त हो गया है।

हर मानसून में क्यों थम जाती है मुंबई की रफ्तार ?

करोड़ों खर्च के बावजूद बारिश बन रही बड़ी चुनौती

मुंबई (आरएनएस)। मानसून की दस्तक के साथ ही देश की आर्थिक राजधानी मुंबई एक बार फिर जलभराव, ट्रैफिक जाम और बाधित जनजीवन की समस्या से जूझती नजर आ रही है। हर साल की तरह इस बार भी कुछ घंटों की तेज बारिश ने शहर की रफ्तार थाम दी। करोड़ों रुपये के बजट, नालों की सफाई, ड्रेनेज सिस्टम की मरम्मत और प्रशासनिक तैयारियों के दावों के बावजूद कई इलाकों में पानी भर गया, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।बारिश के बाद सायन, कुर्ला, दादर, हिंदमाता और मिलन सबवे समेत कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। कई अंडरपास पानी में डूब गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। वहीं, मुंबई-पुणे मार्ग पर भी जलभराव के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित रही। कई स्थानों पर ट्रैफिक जाम लग गया और लोकल ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित हुईं, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी।विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई में बार-बार जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति बनने के पीछे कई संरचनात्मक और पर्यावरणीय कारण जिम्मेदार हैं। इनमें शहर की समुद्र तटीय भौगोलिक स्थिति, हाई टाइड के दौरान पानी की निकासी में रुकावट, तेजी से हुआ अनियोजित शहरीकरण, पुराने और दबाव झेल रहे ड्रेनेज सिस्टम, मीठी नदी पर बढ़ते अतिक्रमण तथा जलवायु परिवर्तन के कारण हो रही अत्यधिक वर्षा प्रमुख हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि केवल नालों की सफाई या अस्थायी उपायों से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। इसके लिए दीर्घकालिक शहरी नियोजन, आधुनिक और मजबूत जल निकासी प्रणाली, मीठी नदी का संरक्षण, अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई तथा बेहतर ठोस कचरा प्रबंधन पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है।जब तक इन मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक हर मानसून में मुंबई के जलमग्न होने और शहर की रफ्तार थमने की तस्वीरें दोहराती रहेंगी।

विशाखापत्तनम के समुद्र में रेस्क्यू ऑपरेशन जारीः नौसेना ने 1 मछुआरे को बचाया, 6 की तलाश तीसरे दिन भी जारी

विशाखापत्तनम (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तट के पास समुद्र में फंसे मछुआरों की तलाश के लिए भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड) का बड़े पैमाने पर बचाव अभियान लगातार तीसरे दिन भी जारी है। अब तक एक मछुआरे को भारतीय नौसेना ने हेलीकॉप्टर के जरिए सुरक्षित बचाकर तट तक पहुंचा दिया है, जबकि उसके साथ गए छह अन्य मछुआरे अभी भी लापता हैं। खराब मौसम, तेज हवाओं और ऊंची लहरों के बावजूद नौसेना और कोस्ट गार्ड समुद्र में लगातार खोज अभियान चला रहे हैं। राहत दलों का कहना है कि हर संभव प्रयास किया जा रहा है ताकि लापता मछुआरों का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके। जानकारी के अनुसार, विशाखापत्तनम और विजयनगरम जिलों के सात मछुआरे 1 जुलाई को विशाखापत्तनम फिशिंग हार्बर से मछली पकड़ने के लिए समुद्र में निकले थे।

छत से धक्का देकर भी नहीं हुई मौत तो नसों में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दी, तेलंगाना में पत्नी ने प्रेमी संग रची साजिश

हैदराबाद,(आरएनएस)। तेलंगाना के निजामाबाद जिले से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां एक महिला पर अपने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर पति की हत्या करने का आरोप लगा है। पुलिस के अनुसार, पहले पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की गई, लेकिन जब वह बच गया तो इलाज के दौरान उसकी नसों में कैनुला के जरिए टॉयलेट क्लीनर और नींद की गोलियों का घोल इंजेक्ट कर दिया गया। इसके बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में 32 वर्षीय संध्या, उसके कथित प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई उर्फ बंटी को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों पर 35 वर्षीय दयिनी प्रशांत की हत्या का आरोप है। पुलिस के मुताबिक यह वारदात 30 जून को अंजाम दी गई।

मामले का खुलासा तब हुआ जब मृतक की मां ने बेटे की मौत पर संदेह जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने गहन जांच शुरू की और पूरी साजिश का पर्दाफाश हो गया।

जांच में पता चला कि प्रशांत पिछले दो वर्षों से खाड़ी (गल्फ) देश में काम कर रहे थे। वह 27 जून को घर लौटे थे और उन्होंने दोबारा विदेश न जाने का फैसला किया था। पुलिस के अनुसार, संध्या का अनिल के साथ विवाहेतर संबंध था और उसे लगने लगा था कि पति उसके रिश्ते में सबसे बड़ी रुकावट है। इसके बाद उसने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि हत्या की पहली कोशिश 29 जून को की गई थी। आरोप है कि वेंकट साई प्रशांत के घर पहुंचा और उसे काफी शराब पिलाई। इसके बाद वह उसे छत पर ले गया और संध्या के फोन पर दिए गए निर्देशों के अनुसार उसे नीचे धक्का दे दिया। हालांकि, प्रशांत गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद बच गया। आरोपियों ने उसे यह कहकर भरोसा दिलाया कि वह शराब के नशे में गलती से गिर गया था। इसके बाद उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया और फिर इलाज के लिए घर ले आए। पुलिस के अनुसार, संध्या ने पहले नर्स की ट्रेनिंग ली हुई थी। इसी वजह से वह घर पर प्रशांत को आईवी फ्लूइड (ड्रिप) लगा रही थी।

भारत और इंडोनेशिया के बीच 14 एमओयू पर बनी सहमति, छह फैसलों का हुआ ऐलान

जकार्ता (ए.) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने वैश्विक और बहुपक्षीय हितों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। साथ ही, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच 14 समझौतों पर सहमति बनी। इसके अलावा छह घोषणाएं भी की गई हैं।भारत और इंडोनेशिया के बीच ये 14 एमओयू एक्सचेंज हुए- शांतिपूर्ण मकसदों के लिए आउटर स्पेस की खोज और इस्तेमाल में सहयोग पर फ्रेमवर्क समझौते का विस्तार, मेडिकल प्रोडक्ट्स रेगुलेशन के क्षेत्र में सहयोग पर सीडीएससीओ और बीपीओएम के बीच एमओयू, मिनरल्स और स्टील सप्लाई चेन की तकनीक के क्षेत्र में सहयोग पर एमओयू, कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र में सहयोग पर एमओयू, समुद्री रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर एमओयू का एक्सटेंशन और इम्प्लीमेंटेशन एग्रीमेंटनेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी (एनडीएमए) और

नेशनल एजेंसी फॉर डिजास्टर मैनेजमेंट, इंडोनेशिया के बीच एमओयू, टेलीकम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी और सर्विसेज के क्षेत्र में सहयोग पर एमओयू, रिसर्च, तकनीक और इनोवेशन सहयोग पर एमओयू, हेल्थ वर्कफोर्स सहयोग पर इम्प्लीमेंटेशन एग्रीमेंट, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) और इंडोनेशिया के जनरल इलेक्शन कमीशन (केपीयू) के बीच एमओयू, ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम पर सहयोग, एयर-टू-एयर मिसाइल सहयोग समझौता, इंडोनेशिया में स्टेनलेस-स्टील स्लैब मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी बनाने के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआईएल) और पं. क्राकाटाऊ स्टील के बीच स्ट्रेटेजिक जॉइंट वेंचर, रेयर अर्थ मैग्नेट के डेवलपमेंट पर नॉन-फेरस मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर (एनएफटीडीसी), मिडवेस्ट लिमिटेड और पीटी पीईआरएमआईएनएएस के बीच एमओयू। ऐलान योग्याकार्ता में प्रम्बानन मंदिर परिसर के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए भारत की सहायता, आईएफसी-आईओआर में इंडोनेशियाई संपर्क अधिकारी की तैनाती, इंडोनेशिया को 100 टन हाई-क्वालिटी डीडब्ल्यूआर 162 गेहूं के बीज की सप्लाई, सांस्कृतिक और शैक्षिक कूटनीति के टैगोर-देवान्तारा वर्ष का स्मरणोत्सव, सिंघासरी एसईजेड, इंडोनेशिया में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बैंगलोर का ब्रांच कैंपस बनाना, इंडिया में ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) आर्किटेक्चर पर आधारित इंडोनेशिया ओपन नेटवर्क (आईओएन) का लॉन्च।

चीन में भूस्खलन के मलबे में 33 लोग दबे, 17 को बचाया, 16 अब भी लापता

बीजिंग,(ए.)। चीन के पश्चिमी गांसू प्रांत के पहाड़ी इलाके में मंगलवार को भूस्खलन में 33 लोग मलबे में दब गए। मीडिया रिपोर्ट

के मुताबिक अब तक 17 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि 16 अब भी लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सभी प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच सेंट्रल चीन के हुबेई प्रांत में सोमवार रात आए तेज तूफान और आंधी-बारिश से कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 275 लोग घायल हुए हैं। एक व्यक्ति अब भी लापता है। मौसम विभाग के मुताबिक कई इलाकों में 149 किमी/घंटा तक की रफ्तार से हवाएं चलीं। अगले 24 घंटे में 260 मिमी तक बारिश होने की चेतावनी दी गई है, जिससे भूस्खलन और बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चीन के मौसम विभाग ने सुपर टाइफून बावी को लेकर भी अलर्ट जारी किया है। यह तूफान 290 किमी/घंटा तक की रफ्तार वाली हवाओं के साथ प्रशांत महासागर से ताइवान की ओर बढ़ रहा है।

एआई, एयरोस्पेस और निवेश में भारत के साथ मजबूत संबंधों पर क्यूबेक की नजर : मंत्री क्रिस्टोफर स्कीट

जकार्ता (ए)। कनाडा के क्यूबेक प्रांत के मंत्री क्रिस्टोफर स्कीट के अनुसार, क्यूबेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एयरोस्पेस, शिक्षा और क्लीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर भारत के साथ अपने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को भी बढ़ावा देने की योजना है।न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में क्यूबेक के अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं ला फ्रैंकोफोनी मंत्री क्रिस्टोफर स्कीट ने कहा कि प्रांत अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने और भारत के साथ दीर्घकालिक तथा स्थिर साझेदारी विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।उन्होंने कहा, "हमारे लिए यह अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने और भारत के साथ स्थायी संबंध स्थापित करने का प्रयास है। हमें लगता है कि दोनों पक्षों के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं और इसे लेकर हम बेहद उत्साहित हैं।स्कीट ने एआई, एयरोस्पेस और शिक्षा को ऐसे क्षेत्र बताया, जिनमें सहयोग की सबसे अधिक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि क्यूबेक और भारत के विश्वविद्यालयों के बीच पहले से मजबूत तालमेल है, जिसे और आगे बढ़ाया जा सकता है।उन्होंने कहा, "एयरोस्पेस एक बेहतरीन क्षेत्र है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है और शिक्षा भी। हमारे विश्वविद्यालयों के बीच काफी करीबी सहयोग है, जिसे और मजबूत करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और सुरक्षित सप्लाई चेन तथा भरोसेमंद साझेदारियां विकसित करने के लिए देशों को एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना होगा। उनके अनुसार, भारत और क्यूबेक इस दिशा में प्रभावी साझेदारी कर सकते हैं।क्यूबेक में निवेश और कारोबार के अवसर तलाशने के लिए भारतीय कंपनियों को आमंत्रित करते हुए स्कीट ने कहा कि यह प्रांत उद्यमिता और नवाचार आधारित व्यवसायों के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराता है।उन्होंने कहा, भारतीय निवेशकों के लिए यहां अनेक अवसर हैं।

डील या तबाही'-ट्रंप की धमकी पर ईरान का करारा जवाब, बोला- 'धमकियों से नहीं होगी बातचीत

तेहरान (ए)। मध्य-पूर्व एशिया में फिलहाल शांति है, लेकिन यूएस-ईरान के बीच हाल ही में हुआ समझौता कितने दिन तक कायम रहेगा, इसे लेकर

असमंजस बरकरार है। इसकी एक अहम वजह अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और फिर ईरान की ओर से दिए जा रहे जवाब माने जा रहे हैं। सोमवार को भी ट्रंप ने ऐसा ही कुछ कहा, जिसका जवाब ईरान की ओर से आया। ईरानी विदेश मंत्री सैय्यद अबास अराघची ने स्पष्ट किया कि धमकियों से काम नहीं चलेगाईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि यदि धमकियों का सिलसिला जारी रहा, तो अंतिम समझौते पर बातचीत शुरू नहीं होगी। उन्होंने इस संबंध में अमेरिका के साथ हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के पैराग्राफ 13 का हवाला दिया।अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा,लाखों गौरवान्वित ईरानी सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए एकत्र हो रहे हैं। उन्होंने कहा, न तो ईरानी जनता और न ही हमारी बहादुर सशस्त्र सेनाएं किसी भी तरह की धमकियों से प्रभावित होंगी। अपने हस्ताक्षर का सम्मान करें।अराघची की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका या तो ईरान के साथ समझौता करेगा या फिर काम तमाम करेगा।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में पुलिस पोस्ट पर बड़ा धमाका, हमले में 9 पुलिसकर्मियों की मौत और 5 लापता

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक पुलिस चौकी पर बड़ा आतंकी हमला हुआ है। जानकारी के अनुसार इस हमले में कम से कम 9 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य पुलिसकर्मी लापता बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और सुरक्षा बलों ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।यह हमला जियारत जिले में मांगी डैम के निकट स्थित एक पुलिस पोस्ट पर हुआ। हमले की सूचना मिलते ही अतिरिक्त सुरक्षा बलों को मौके पर भेजा गया और पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, हमले में कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं।स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि हमले के बाद पांच पुलिसकर्मियों का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। उनकी तलाश के लिए विशेष

सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि हमलावर कितनी संख्या में थे और उन्होंने किस तरह वारदात को अंजाम दिया।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की निंदा

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। वहीं, बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि मृतकों में मांगी और कवास पुलिस स्टेशनों के अधिकारी भी शामिल हैं।

हमले के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र में क्लियरेंस ऑपरेशन चलाया। पाकिस्तानी अधिकारियों का दावा है कि कार्रवाई के दौरान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 15 आतंकवादी मारे गए। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। बलूचिस्तान लंबे समय से उग्रवादी और आतंकी गतिविधियों से प्रभावित रहा है। हाल के महीनों में सुरक्षा बलों और पुलिस चौकियों पर हमलों की घटनाओं में बढ़ोतरी देखी गई है, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

फीचर

आंखों की थकान का कारण बन सकती है ज्यादा स्क्रीन टाइम, जानिए इसके लक्षण

आज के समय में स्क्रीन टाइम का बढ़ता उपयोग आंखों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है। चाहे वह कंप्यूटर हो, मोबाइल फोन हो या टीवी, अधिक समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से आंखों की थकान हो सकती है। यह लेख आपको कुछ शुरुआती लक्षणों के बारे में बताएगा, जिनसे आप पहचान सकते हैं कि आपकी आंखें थकी हुई हैं और आपको किन सावधानियों का पालन करना चाहिए।

आंखों की जलन और खुजली होना

अगर आपको स्क्रीन देखते समय आंखों में जलन या खुजली महसूस हो तो इसे नजरअंदाज न करें। यह लक्षण बताता है कि आपकी आंखें अधिक समय तक स्क्रीन के सामने रहने के कारण थकी हुई हैं। इस स्थिति में तुरंत आंखों को आराम दें और उन्हें ठंडे पानी से धोएं या आंखों की बूंदों का उपयोग करें। इससे आपकी आंखों को राहत मिलेगी और वे थोड़ी देर के लिए आराम कर सकेंगी, जिससे आपकी आंखों की थकान कम होगी।

सिरदर्द होना

अगर आपको स्क्रीन देखते समय सिरदर्द होता है तो यह भी एक सामान्य समस्या है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह लक्षण बताता है कि आपकी आंखें और सिर एक-दूसरे पर ज्यादा दबाव डाल रहे हैं, जिससे दर्द होता है। इस स्थिति में आंखों को आराम देना जरूरी है। थोड़ी देर के लिए स्क्रीन से दूर रहें और आंखों को बंद करके कुछ मिनट आराम करें। इससे सिरदर्द कम होगा और आप बेहतर महसूस करेंगे।

आंखों का धुंधला दिखना

अगर आपको स्क्रीन देखते समय चीजें धुंधली दिखती हैं तो यह भी आंखों की थकान का संकेत हो सकता है। यह लक्षण बताता है कि आपकी आंखें स्क्रीन की रोशनी के कारण ज्यादा संवेदनशील हो गई हैं। इस स्थिति में आंखों को आराम देना जरूरी है। थोड़ी देर के लिए स्क्रीन से दूर रहें और आंखों को बंद करके कुछ मिनट आराम करें। इससे आपकी आंखों की संवेदनशीलता कम होगी और आप बेहतर महसूस करेंगे।

लगातार झपकना

अगर आप महसूस करते हैं कि आपकी आंखें बार-बार झपक रही हैं तो यह भी एक सामान्य संकेत हो सकता है। यह लक्षण बताता है कि आपकी आंखें स्क्रीन की रोशनी के कारण थकी हुई हैं। इस स्थिति में आंखों को आराम देना जरूरी है। थोड़ी देर के लिए स्क्रीन से दूर रहें और आंखों को बंद करके कुछ मिनट आराम करें। इससे आपकी आंखों को राहत मिलेगी और वे थोड़ी देर के लिए आराम कर सकेंगी।

आंखों का सूखना

अगर आप पाते हैं कि आपकी आंखें सूखी हो रही हैं तो यह भी आंखों की थकान का एक संकेत हो सकता है। यह लक्षण बताता है कि आपकी आंखें स्क्रीन की रोशनी के कारण ज्यादा संवेदनशील हो गई हैं। इस स्थिति में आंखों की बूंदों का उपयोग करें ताकि आपकी आंखें नमी बनी रहें। इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी आंखों की थकान को कम कर सकते हैं और उन्हें स्वस्थ रख सकते हैं।

लॉक अप 2 में माधुरी जैन ग्रोवर के बयान पर विवाद, तीसरे बच्चे और अमीरी-गरीबी वाली टिप्पणी से मचा बवाल

रियलिटी शो लॉकअप सीजन 2 अक्सर अपने कंटेस्टेंट्स की निजी बातों और तीखे बयानों को लेकर चर्चा में रहता है। शो का फॉर्मेट ही ऐसा है कि यहां कंटेस्टेंट्स अपनी जिंदगी से जुड़े ऐसे खुलासे करते हैं जो कई बार दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देते हैं और कई बार विवाद भी खड़ा कर देते हैं। इसी कड़ी में इस बार बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर की पत्नी और कंटेस्टेंट माधुरी जैन ग्रोवर का एक बयान सामने आया है, जिस पर लोग अब अलग-अलग राय दे रहे हैं। हाल ही के एक एपिसोड में माधुरी जैन ग्रोवर ने बताया कि वह और उनके पति अशनीर ग्रोवर तीसरा बच्चा चाहते थे लेकिन उनके परिवारों ने इस फैसले का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा कि परिवार की सहमति न मिलने के कारण उन्होंने यह प्लान छोड़ दिया। हालांकि असली विवाद उनके इस निजी खुलासे से ज्यादा उनके आगे दिए गए विचारों को लेकर शुरू हुआ। शो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया- तीसरा बच्चा इंसान को ज्यादा जवान रखता है। अगर आप देखें तो शाहरुख खान जैसे कई अमीर लोगों के भी तीन बच्चे हैं। हम दो हमारे दो का कॉन्सेप्ट हर किसी पर लागू नहीं होता। जितने अमीर लोग ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे, उतनी अमीरी बढ़ेगी और जितने गरीब लोग ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे, उतनी गरीबी बढ़ेगी।

उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। कई यूजर्स ने इसे गलत सोच और समाज को बांटने वाला बयान बताया।एक यूजर ने लिखा, यह बयान दिखाता है कि कुछ लोगों को यह समझ नहीं है कि इकॉनोमी कैसे काम करती है या डेमोग्राफी कैसे होती है। इससे बहुत कुछ पता चलता है कि एलीट क्लास के पास जरूरी जानकारी की कमी है। आम जनता ऐसे लोगों को वोट देती है।दूसरे यूजर ने लिखा, अगर समाज में सिर्फ अमीर लोग ही बच्चे पैदा करें और गरीब लोग न करें, तो उनके पास लेबर नहीं होगी। अमीर अपने बच्चों को आर्म्ड फोर्स में नहीं भेजते, अमीर टेररिज्म/बॉर्डर/सिक्योरिटी से कैसे निपटेंगे? अमीरों को अमीर बने रहने के लिए लेबर की जरूरत होती है।एक अन्य प्रतिक्रिया में यूजर्स ने इसे एलीट सोच का उदाहरण बताया और कहा, इस तरह के विचार समाज में गलत संदेश देते हैं। हर व्यक्ति को परिवार बढ़ाने का अधिकार है और इसे आर्थिक स्थिति से जोड़कर देखना ठीक नहीं है।

ब्लैक शिमरी टॉप और डेनिम में पलक तिवारी ने ढाया कहर, सिजलिंग अदाओं से उड़ाए फैंस के होश

एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। पलक अपने प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ अपने लाजवाब ड्रेसिंग सेंस और बोल्ड फैशन चॉइस के लिए सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में

पलक ने इंस्टाग्राम पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद सिजलिंग तस्वीरें शेयर की हैं।

इन तस्वीरों में पलक का अंदाज इतना बोल्ड और ग्लैमरस है कि फैंस उनके लुक से अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। पलक ने एक बॉडी-हगिंग मैटेलिक ब्लैक कलर का फुल-स्लीव टॉप पहना हुआ है, जिसमें फ्रंट-ओपन बटन डिटेलिंग है। यह शिमरी टॉप उनके लुक को एक एजी और नाइट-पार्टी वाइब दे रहा है।

इस टॉप के साथ पलक ने लो-वेस्ट, सुपर वाइड-लेग ग्रे डेनिम जींस पेयर की है, जो उनके टोंड फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रही है। यह क्लासिक ब्लैक और ग्रे का कॉम्बिनेशन विजुअली काफी अट्रैक्टिव लग रहा है।

तस्वीरों में पलक वह अपने चेहरे पर बिखरी जुल्फों को संभालते हुए सीधे कैमरे में गहराई से देख रही हैं, जिससे उनके किलर एक्सप्रेशंस उभर कर आ रहे हैं। कुछ तस्वीरों में वह बेहद सेक्सी और कॉन्फिडेंट पोज देती नजर आ रही हैं।

अपने इस कैजुअल लेकिन हॉट लुक को कम्पलीट करने के लिए पलक ने मेकअप और एक्सेसरीज पर भी खास ध्यान दिया है। पलक ने ब्राउन टोन का न्यूड ग्लैम मेकअप चुना है। उन्होंने अपने बालों को हल्का वेवी टच देकर साइड-पार्टिंग के साथ खुला छोड़ा है।

पलक तिवारी की इन तस्वीरों ने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है। कमेंट सेक्शन में फैंस हार्ट और फायर इमोजीस की बरसात कर रहे हैं। कोई उन्हें गॉर्जियस कह रहा है तो कोई एब्सोल्यूट स्टनर।

पुराने स्टाइल में बालों को कर्ल करने के लिए इस्तेमाल करें रोलर, जानें आसान तरीका

बालों को कर्ल करने के लिए कई तरीके हैं, जिनमें से एक है रोलर का इस्तेमाल करना। यह तरीका न केवल आसान है, बल्कि इसके जरिए आप अपने बालों को एक अलग और आकर्षक लुक दे सकती हैं। रोलर का इस्तेमाल करके आप बिना हीटिंग उपकरणों के अपने बालों को कर्ल कर सकती हैं। इस लेख में हम आपको रोलर का सही तरीके से इस्तेमाल करने के लिए कुछ टिप्स देंगे, जिससे बाल पुराने समय की तरह कर्ल हो जाएंगे।

बालों को तैयार करें

रोलर का इस्तेमाल करने से पहले अपने बालों को अच्छी तरह से धो लें। इसके लिए एक हल्के शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें। इसके बाद बालों को तौलिये से हल्का-सा सुखा लें, ताकि उनमें नमी बनी रहे, लेकिन वे गीले न हों। इससे रोलर आसानी से बालों में सेट हो सकेंगे और कर्ल लंबे समय तक टिके रहेंगे। इसके अलावा बालों में कुछ हल्का स्टाइलिंग उत्पाद लगाएं, ताकि कर्ल अच्छे से सेट हो सकें।

सही आकार और प्रकार चुनें

रोलर कई आकार और प्रकार में आते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने बालों की लंबाई और मोटाई के अनुसार सही रोलर चुनें। छोटे रोलर छोटे कर्ल बनाने के लिए अच्छे होते हैं, जबकि बड़े रोलर लंबे और

बड़े कर्ल के लिए बेहतर होते हैं। इसके अलावा आप अलग-अलग प्रकार के रोलर, जैसे कि वेल्क्रो रोलर, सॉफ्ट रोलर और प्लास्टिक रोलर भी आजमा सकती हैं। यह आपके बालों की जरूरत और स्टाइल पर निर्भर करता है।

बालों को हिस्सों में बांटे

रोलर लगाने से पहले अपने बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। इससे यह आसान हो जाएगा कि आप हर हिस्से पर ध्यान दे सकें और सभी बालों को समान रूप से सेट कर सकें। इसके लिए पहले बालों को बीच से अलग करके 2 हिस्सों में बांट लें, फिर हर हिस्से को छोटे-छोटे सेक्शन में बांटकर रोलर लगाएं। इससे आपके कर्ल पूरे दिन टिके रहेंगे और आपके बालों को एक खूबसूरत लुक देंगे।

रोलर को सही तरीके से लगाएं

अब बारी आती है रोलर लगाने की। सबसे पहले एक हिस्से को लें और उसे रोलर पर लपेटें, फिर उसे जड़ों तक पहुंचाएं। इसके बाद रोलर को हल्का-सा दबाकर पिन या क्लिप से अच्छी तरह से बांधें, ताकि वह जगह पर टिका रहे। इसी तरह सभी हिस्सों पर रोलर लगाएं। अगर आप चाहें तो रोलर को रातभर लगा रहने दें और सुबह उठकर उन्हें हटा दें। इससे आपके बालों को एक खूबसूरत लुक मिलेगा।

सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें

रोलर हटाने के बाद अपने नए कर्ल पर सेटिंग स्प्रे लगाएं, ताकि वे लंबे समय तक टिके रहें। सेटिंग स्प्रे बालों को स्थिरता देता है और उन्हें उलझने से बचाता है। इसके अलावा सेटिंग स्प्रे आपके कर्ल को पूरे दिन प्राकृतिक जैसा बनाए रखता है। अगर आप चाहें तो हल्का-सा तेल भी लगा सकते हैं, ताकि आपके कर्ल चमकदार दिखें और मुलायम महसूस हों। इससे आपके बालों को एक बेहतरीन लुक मिलेगा।

नगर निगम के खिलाफ ठेकेदारों का हल्लाबोल

रायपुर, (आरएनएस)। रायपुर नगर निगम में बकाया भुगतान और कथित कमीशनखोरी को लेकर ठेकेदारों का आक्रोश सोमवार को सड़कों पर नजर आया। सिविल ठेकेदार संघ के बैनर तले ठेकेदारों ने नगर निगम मुख्यालय के सामने काम बंद कर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि बिना कमीशन दिए भुगतान की फाइलें आगे नहीं बढ़ाई जा रही हैं।

ठेकेदारों का दावा है कि निगम पर 100 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान लंबित है। कई ठेकेदारों को छह महीने से लेकर डेढ़ साल तक भुगतान नहीं मिला है। उनका कहना है कि बैंक से कर्ज लेकर काम करने वाले ठेकेदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, जबकि निगम में भुगतान के लिए कथित तौर पर अलग-अलग स्तर पर कमीशन की मांग की जाती है।

प्रदर्शन के दौरान ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि हर फाइल का अलग रेट तय है और 30 से 40 प्रतिशत तक कमीशन मांगा जाता है। उनका यह भी आरोप है कि अधिकारियों, जोन अध्यक्षों और जनप्रतिनिधियों के स्तर पर भी भुगतान के लिए हिस्सेदारी तय रहती है। साथ ही, अधिकारियों पर मुफ्त में अतिरिक्त काम कराने और बाद में देरी का ठीकरा ठेकेदारों पर फोड़ने का आरोप लगाया गया।

बाघ खाल की तस्करी में शामिल मिले आत्मसमर्पित नक्सली

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के इंद्रावती टाइगर रिजर्व (आईटीआर) में बाघ की खाल और कंकाल की तस्करी से जुड़े बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। वन विभाग, वाइल्डलाइफक्राइम कंट्रोल ब्यूरो, यूएसटीआर की एंटी पोचिंग स्क्वॉड और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जांच के दौरान तीसरी बाघ की खाल भी बरामद की गई है, जबकि एक और खाल की तलाश जारी है।

जांच में सामने आया है कि तस्करी के इस सिंडिकेट में महाराष्ट्र के दो आत्मसमर्पित नक्सली भी शामिल थे। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, वन्यजीव अपराध के किसी मामले में आत्मसमर्पित नक्सलियों की संलिप्तता पहली बार सामने आई है। आशंका है कि जंगलों की गहरी जानकारी का फायदा उठाकर तस्करों ने उन्हें अपने नेटवर्क से जोड़ा।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी में हज-2027 के ऑनलाइन आवेदन हेतु निःशुल्क ई-सुविधा केंद्र शुरु

रायपुर, (आरएनएस)। हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। हज यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी ने मुखर्जी बड़ा, बैरन बाजार स्थित अपने कार्यालय में निःशुल्क ई-हज सुविधा केंद्र प्रारंभ किया है।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने आज बताया कि इस केंद्र के माध्यम से हज 2027 के इच्छुक आवेदकों के ऑनलाइन आवेदन निःशुल्क भरे जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन श्री बेग ने बताया कि अनेक आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन भरने में कठिनाई होती है। ऐसे में समय सीमा के भीतर आवेदन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से यह विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज 2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास 31 दिसंबर 2027 तक वैध पासपोर्ट होना अनिवार्य है।

श्री बेग ने हज यात्रा के इच्छुक सभी आवेदकों से निर्धारित अंतिम तिथि से पूर्व अपना ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी कार्यालय में इसके लिए एक विशेष काउंटर स्थापित किया गया है, जहां आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर आवेदक अपना ऑनलाइन आवेदन भरवा सकते हैं। अधिक जानकारी अथवा ऑनलाइन आवेदन संबंधी सहायता के लिए कार्यालय, छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी, मुखर्जी बड़ा, बैरन बाजार, रायपुर अथवा दूरभाष क्रमांक 0771-4266646 पर संपर्क किया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ में बारिश बनी आफत, अगले 24 घंटे पड़ेंगे बेहद भारी, 8 जुलाई से पहले नहीं मिलेगी राहत

बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम से प्रदेश में झमाझम, 48 घंटे में भारी बारिश का अलर्ट

रायपुर, (आरएनएस)। बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब और मानसूनी द्रोणिका के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में बारिश ने जोर पकड़ लिया है। रविवार को मध्य छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई। राजधानी रायपुर में 154.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि दुर्ग में 181 मिलीमीटर और राजिम में 185.8 मिलीमीटर बारिश ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। रायपुर में रात भर बारिश हुई है। सुबह से ही रिमझिम बारिश हो रही है। यह बारिश किसानों के लिए बेहद राहत भरी है। खेतों में पानी जमा होने से धान की बोनी का कार्य तेज हो गया है।

हालांकि, प्रदेश के कुछ हिस्सों में अभी भी कम बारिश हुई है। पिछले 36 घंटे से हो लगातार मूसलाधार बारिश ने पूरे प्रदेश में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर रफ्तार से हवाओं ने ने कहर मचाया हैं। कहीं सड़कें बह गई, कहीं लोग बाढ़ के पानी में फंस गए, जिन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला जा रहा हैं। जिलों में नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही है। कई एनीकट से ऊपर से पानी बह रहा है। दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालयों से संपर्क टूट चुका है।

8 जुलाई से पहले राहत नहीं

मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि 8 जुलाई से पहले राहत मिलने के आसार कम है। लगातार 36 घंटे से हो रही बारिश ने निर्माण कार्यों के गुणवत्ता की भी पोल खोल दी है। प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में सड़के

टूट गई हैं, पुल-पुलियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं। राजनांदगांव के रेलवे ओवर ब्रिज की सड़क बीचो-बीच फट गई, वहीं जिला अस्पताल में पानी मरीजों के बेड तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने निकले इलाके में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने और मौसम विभाग की एडवाजरी का पालन करने की अपील की है।

भारी बारिश का जारी किया गया अलर्ट

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के लिए मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने नागरिकों को सतर्क रहने और खराब मौसम में नदी-नालों के पास जाने से बचने की सलाह दी है। विभाग का अनुमान है कि 8 जुलाई के बाद बारिश की तीव्रता में कुछ कमी आ सकती है, जिससे स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। रविवार को मध्य छत्तीसगढ़ के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटे तक प्रदेश के मध्य और उत्तरी हिस्सों में तेज बारिश, गरज-चमक और वज्रपात की संभावना बनी रहेगी। राजधानी समेत कई जिलों में दिनभर बादल छाए रहे और तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग का कहना है कि आठ जुलाई के बाद बारिश की तीव्रता और फैलाव में कमी आ सकती है।भारी बारिश के कारण प्रदेश के कई अंदरूनी इलाकों का मुख्यधारा से संपर्क कट गया है। रपटों के ऊपर से पानी बह रहा है तो कहीं नदी पुल के ऊपर से बह रही है। राजमार्ग पर भी जल जमाव होने के समाचार हैं।राजधानी में 154.4 मिलीमीटर, रायपुर सिटी में 153.1, माना एयरपोर्ट में 138.3 और गोबरानवापारा में 143.7 वर्षा हुई। दुर्ग जिले में 181 मिलीमीटर, पाटन में 144.8, भिलाई में 115.5, राजिम में 185.8, राजनांदगांव में 146, छुरा में 158.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बालोद, महासमुंद और धमतरी में भी झमाझम बालोद जिले के अर्जुंदा में 126.5 मिलीमीटर और गुंडरदेही में 118.7 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड हुई।

गनियारी स्कूल का नाम पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई के नाम पर होगा

रायपुर,(आरएनएस)। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विश्वविख्यात पंडवानी गायिका,पद्मविभूषण से सम्मानित

एवं छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की अप्रतिम धरोहर डॉ. तीजन बाई के गृहग्राम गनियारी स्थित निवास पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत वे उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए तथा दाह संस्कार कार्यक्रम तक उपस्थित रहकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने घोषणा किया कि उनके गृहग्राम गनियारी स्थित शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी स्कूल का नामकरण डॉ. तीजन बाई शासकीय हाई-हायर सेकेंडरी विद्यालय, गनियारी के नाम से किया जाएगा। शिक्षा मंत्री यादव ने कहा कि डॉ. तीजन बाई ने अपनी अद्वितीय कला-साधना, ओजस्वी वाणी और आजीवन समर्पण के माध्यम से छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई। उनका निधन छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक चेतना के एक स्वर्णिम अध्याय का अवसान है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करने तथा शोकाकुल परिजनों एवं असंख्य प्रशंसकों को इस दु:ख की घड़ी में संबल देने की प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री साय 8 जुलाई को करेंगे डूमरतराई के नवीन थोक बाजार का नामकरण एवं लोकार्पण

प्रदेशवासियों एवं व्यापारियों को मिलेगा आधुनिक, सुव्यवस्थित और विश्वस्तरीय व्यापारिक परिसर

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा रायपुर के डूमरतराई में विकसित अत्याधुनिक नवीन थोक बाजार का नामकरण एवं लोकार्पण समारोह अब 8 जुलाई 2026 को आयोजित किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय इस आधुनिक व्यापारिक परिसर का लोकार्पण एवं नामकरण कर इसे प्रदेशवासियों और व्यापारियों को समर्पित करेंगे। समारोह की अध्यक्षता आवास एवं पर्यावरण, वित्त, वाणिज्यिक कर, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी करेंगे।

उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम पूर्व में 5 जुलाई 2026 को प्रस्तावित था, किन्तु अपरिहार्य कारणों से इसे स्थगित कर दिया गया था। अब यह समारोह 8 जुलाई को आयोजित किया जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर लगभग 36 एकड़ क्षेत्र में विकसित यह अत्याधुनिक थोक बाजार व्यापारियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। परिसर में चौड़ी सड़कें, पर्याप्त पार्किंग, सुगम यातायात व्यवस्था, सुव्यवस्थित व्यापारिक अवसंरचना तथा आवश्यक नागरिक सुविधाओं का समुचित प्रावधान किया गया है। यह बाजार रायपुर सहित पूरे प्रदेश के व्यापारिक विकास को नई दिशा देने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति प्रदान करेगा। डूमरतराई व्यापारिक परिसर का विकास चरणबद्ध रूप से किया गया है। प्रथम चरण में लगभग 76 करोड़ रुपये की लागत से 536 व्यावसायिक दुकानें एवं हॉल निर्मित किए गए, जिससे व्यापारियों को आधुनिक एवं सुव्यवस्थित व्यावसायिक सुविधाएँ उपलब्ध हुई।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से स्वच्छ ऊर्जा अपनाकर ग्राम पंचायत सचिव बने प्रेरणा स्त्रोत

राजनांदगांव (आरएनएस)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना नागरिकों को स्वच्छ एवं सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराने के साथ-साथ बिजली व्यय में कमी लाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। जनपद पंचायत छुरिया में कार्यरत ग्राम पंचायत रामपुर के सचिव रामलखन मण्डावी एवं ग्राम पंचायत जोंधरा के सचिव अर्जुन सिंह ठाकुर ने अपने निजी आवास पर 3-3 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर प्लांट स्थापित कर इस योजना का लाभ उठाया है। उनकी यह पहल अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणादायी बन रही है।

रामलखन मण्डावी ने बताया कि उन्होंने पीएम सूर्य घरमुफ्त बिजली योजना के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया। विद्युत विभाग से आवश्यक स्वीकृति मिलने के बाद अधिकृत विक्रेता द्वारा उनके घर पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर प्लांट एवं नेट मीटर स्थापित किया गया। योजना के अंतर्गत उन्हें केंद्र एवं राज्य शासन से कुल 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्राप्त हुई, जिससे सोलर प्लांट की स्थापना लागत में कमी आई। उन्होंने बताया कि सोलर प्लांट स्थापित होने के बाद उनके घर की अधिकांश बिजली आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है।

खेल समाचार

फीफा वर्ल्ड कप 2026 : आखिरी वर्ल्ड कप में टूटा रोनाल्डो का सपना, स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर किया बाहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। कुछ सपने अधूरे ही रह जाते हैं। तमाम कोशिशों और अथक मेहनत के बावजूद वे मुकाम तक नहीं पहुंच पाते। फुटबॉल के महान खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। फीफा विश्व कप-2026 के क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इसके साथ ही रोनाल्डो का विश्व कप जीतने का सपना हमेशा के लिए अधूरा रह गया।

मैच से एक दिन पहले 41 वर्षीय रोनाल्डो ने साफ कर दिया था कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। ऐसे में यह मुकाबला उनके लिए 'करो या मरो' जैसा था। हार के बाद जब वह नम आंखों के साथ मैदान से बाहर निकले तो स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों और दुनिया भर में मैच देख रहे उनके करोड़ों प्रशंसक भी भावुक हो उठे।

मुकाबला उम्मीद के मुताबिक बेहद रोमांचक और कांटे का रहा। दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया, वहीं रक्षा पंक्ति भी पूरी तरह सतर्क रही। निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। मैच का फैसला इंजुरी टाइम में हुआ, जब स्पेन के स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो ने शानदार गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद पुर्तगाल ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन स्पेन की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक न चली।

इस मुकाबले के साथ 2010 विश्व कप की यादें भी ताजा हो गईं, जब क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने पुर्तगाल को इसी 1-0 के अंतर से हराया था। उस वर्ष स्पेन ने पहली बार विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया था। रोनाल्डो ने अपने शानदार करियर में क्लब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग हर बड़ा खिताब और व्यक्तिगत सम्मान हासिल किया, लेकिन विश्व कप ट्रॉफी उनके हाथ नहीं लग सकी। मैच समाप्त होने के बाद उनकी आंखों में छलकते आंसू इस अधूरे सपने का दर्द साफ बयां कर रहे थे।

मैच की शुरुआत से ही स्पेन ने दबाव बनाया। तीसरे मिनट में डानी ओल्मो के पास पर मिकेल ओयारजाबाल को पहला मौका मिला, लेकिन उनका शॉट गोलपोस्ट के बाहर चला गया। इसके बाद पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टा ने यामाल और एलेक्स बाएना के शानदार प्रयासों को विफल कर अपनी टीम को राहत दिलाई। पुर्तगाल ने भी जवाबी हमला किया। 41वें मिनट में नूनो मेंडेस का जोरदार लेफ्ट फुट शॉट पेड्रो पोरो से टकराकर क्रॉसबार के ऊपर निकल गया। पहले हाफ में दोनों टीमें गोल करने में असफल रहीं।

दूसरे हाफ की शुरुआत में पुर्तगाल ने आक्रामक रुख अपनाया और स्पेन पर लगातार दबाव बनाया। रोनाल्डो ने भी कुछ अच्छे प्रयास किए, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। 76वें मिनट में ब्रूनो फर्नांडिस का दमदार शॉट साइड नेट में जाकर लगा, जबकि डानी ओल्मो के एक और खतरनाक प्रयास को रूबेन डियास ने शानदार तरीके से रोक दिया।

युवराज को पिता के बयानों के लिए माफी मांगने की जरुरत नहीं : कपिल

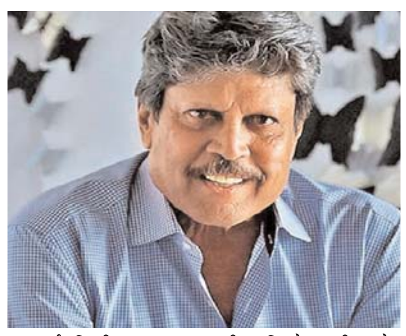

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा कि युवराज सिंह को अपने पिता योगराज सिंह के विवादित बयानों को लेकर माफी मांगने की कोई जरुरत नहीं है। योगराज ने कई अवसरों पर कपिल को लेकर कई आरोप लगाए थे और कहा था कि उन्हें कपिल ने ही पहले नॉर्थ जोन फिर हरियाणा और अंत में भारतीय टीम का कप्तान बनने के बाद टीम से बाहर करवाना और उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त किया था। उन्होंने यहां तक कहा था कि उनके बेटे युवराज के पास कपिल से अधिक ट्राफियां हैं। पिता के इस प्रकार के बयानों के लिए युवराज ने कपिल से मांफी मांगी थी। कपिल ने युवराज की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, युवराज को माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है। वह एक महान क्रिकेटर हैं, जिन्होंने खेल को बेहद लोकप्रिय बनाया है। रिकॉर्ड बनते-टूटते रहते हैं पर जिस में युवराज खेले, लोगों ने उन पर खूब प्यार लुटाया।

कपिल ने योगराज को अपने बचपन का दोस्त बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें कठोर स्वभाव के लोग पसंद नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिंदगी में बहुत कुछ होता है, लेकिन व्यक्ति को हमेशा आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही कहा कि योगराज के बेटे ने देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें खुश रहना चाहिए। साथ ही कहा कि किसी व्यक्ति का स्वभाव उसकी प्रतिक्रिया से पता चलता है। उन्होंने कहा, आपको जिंदगी में सब चीजें नहीं मिलतीं पर उसके कारण किसी को भी कुछ भी कह देन ठीक नहीं है। अउकर कोई उग्र प्रतिक्रिया दे तो आप क्या करेंगे।

23 जुलाई से शुरु होंगे राष्ट्रमंडल खेल, भारोत्तोलक मीराबाई चानू पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (ए.)। भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का ध्यान अब 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर है। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं। हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फॉर्म को दर्शाता है। राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

ऑस्ट्रेलिया की ऐतिहासिक जीत के साथ पैसों की बारिश, इंग्लैंड को भी मिला बड़ा इनाम

नई दिल्ली (आरएनएस)। लंदन के लॉर्ड्स मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार टी20 विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया। चैंपियन बनने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम पर जमकर पैसों की बरसात भी हुई है।

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2026 की कुल प्राइज मनी में इस बार 10 प्रतिशत इजाफा किया था। प्राइज मनी को 87,64,615 डॉलर रखा गया था, जो भारतीय रुपये में तकरीबन 83.41 करोड़ बैठती है। सातवीं बार टी20 विश्व कप की ट्रॉफी उठाने के साथ ही ऑस्ट्रेलिया टीम को 23,40,000 डॉलर की प्राइज मनी से नवाजा गया, जो भारतीय करेंसी के हिसाब से लगभग 22.27 करोड़ है।

वहीं, फाइनल तक का सफर तय करने वाली इंग्लैंड को 11,70,000 डॉलर की प्राइज मनी दी गई, जो भारतीय करेंसी के अनुसार, 11.13 करोड़ रुपये है। भले ही भारतीय टीम सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रही, लेकिन हरमनप्रीत कौर एंड कंपनी ने भी इस टी20 विश्व कप में करोड़ों की कमाई की। भारतीय टीम को तकरीबन 2.35 करोड़ रुपये टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए मिलेंगे, जबकि ग्रुप स्टेज में तीन मैच जीतने के लिए भारत को 88.94 लाख रुपये दिए जाएंगे। यानी 3.23 करोड़ रुपये की प्राइज मनी भारतीय टीम को मिलेगी।

अफगानिस्तान के पूर्व तेज़ गेंदबाज़ जादरान का निधन

नई दिल्ली (ए.)। अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शापूर जादरान का निधन हो गया है। जादरान 38 साल के थे और पिछले काफी समय से एक दुर्लभ और जानलेवा बीमारी, हेमोफैगोसिटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस से पीडित थे। इसी का इलाज कराने वह भारत आये थे और और पिछले कई महीनों से दिल्ली-एनसीआर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने भी उनकी मृत्यु की पुष्टि की, जिससे क्रिकेट जगत और विशेषकर अफगान क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।

गौरतलब है कि जादरान ने साल 2009 से 2020 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। उन्होंने अफगानिस्तान के लिए 44 एकदिवसीय और 36 ट्वेंटी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिनमें क्रमशः 43 और 37 महत्वपूर्ण विकेट लिए थे। वे अफगानिस्तान क्रिकेट की शुरुआती यात्रा के केंद्र में रहे और देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक थे।एसीबी ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर जादरान के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। बोर्ड ने कहा, शापूर अफगानिस्तान क्रिकेट की नींव रखने वाले खिलाड़ियों में से एक थे। उनके समर्पण, जुनून और अटूट प्रतिबद्धता ने हमारे देश में इस खेल के आगे बढ़ने में अहम भूमिका निभाई। वह उन खिलाड़ियों में से थे जिन्होंने वो रास्ता बनाने में मदद की जिसने अफगान क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया। बोर्ड ने आगे कहा कि अपने पूरे करियर में शापूर ने सम्मान, हिम्मत और गर्व के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट की सेवा की। उनका योगदान और उपलब्धियां हमेशा अफगानिस्तान क्रिकेट के इतिहास का एक अहम हिस्सा रहेंगी। बोर्ड ने यह भी बताया कि मैदान पर अपनी उपलब्धियों के अलावा, शापूर कई युवा अफगान क्रिकेटरों और दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए प्रेरणा का एक सच्चा स्रोत थे। उनके लड़ने के जज्बे, पक्के इरादे और खेल के प्रति प्यार ने कई लोगों को उम्मीद दी और एक पीढ़ी को बड़े सपने देखने और अफगानिस्तान क्रिकेट के भविष्य पर भरोसा करने के लिए हौसला दिया। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उनके परिवार, दोस्तों, चाहने वालों, पूर्व साथियों और पूरे अफगान क्रिकेट समुदाय के प्रति अपनी गहरी संवेदना और हमदर्दी जाहिर की।

धोनी की कप्तानी में भारत का स्वर्णिम दौर, गांगुली का फैसला साबित हुआ अहम

नई दिल्ली । भारत के सबसे सफल कप्तानों का जिक्र होता है, तो महेंद्र सिंह धोनी का नाम इस लिस्ट में सबसे ऊपर आता है। धोनी ने अपने इंटरनेशनल करियर में हर वो बड़ी उपलब्धि हासिल की, जिसकी कल्पना एक क्रिकेटर करता है। बल्लेबाजी से लेकर कप्तानी तक में धोनी ने विश्व क्रिकेट में अपनी धाक जमाई और कई ऐसे मुकाम हासिल किए, जो हमेशा के लिए भारतीय क्रिकेट इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गए।

महेंद्र सिंह धोनी का जन्म 7 जुलाई, 1981 को रांची में हुआ। धोनी की क्रिकेट से पहचान उनके स्कूल के कोच केशव रंजन बनर्जी ने करवाई। दरअसल, स्कूल की क्रिकेट टीम में एक विकेटकीपर की जरूरत थी। कोच बनर्जी की नजर धोनी पर पड़ी, जो फुटबॉल में शानदार गोलकीपिंग कर रहे थे। उन्होंने धोनी को क्रिकेट टीम में बतौर विकेटकीपर जगह दी और इसके बाद माही का क्रिकेट के खेल से लगाव दिन-प्रतिदिन बढ़ता चल गया। लगातार अच्छे प्रदर्शन की वजह से धोनी को रेलवे में टिकट कलेक्टर की नौकरी मिली,जहां वह नौकरी के बाद मैदान पर भी जाकर खूब पसीना बहाते थे।

घरेलू क्रिकेट और फिर भारत ए की तरफ से दमदार प्रदर्शन के बाद धोनी को भारतीय नेशनल टीम से बुलावा आया। हालांकि, दिसंबर, 2024

में बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई शुरुआती वनडे सीरीज में धोनी बुरी तरह से फ्लॉप रहे। 3 पारियों में धोनी सिर्फ 19 रन ही बना सके। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ पहले वनडे में भी धोनी सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। 4 मैचों में लगातार नाकाम रहने के बाद हर किसी को लग रहा था कि धोनी को अगले मैच में ड्रॉप कर दिया जाएगा।

हालांकि, तत्कालीन कप्तान सौरव गांगुली ने धोनी पर अपना भरोसा कायम रखा और उन्होंने दूसरे वनडे मुकाबले में धोनी को नंबर तीन पर प्रमोट किया। इस मुकाबले में धोनी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 123 गेंदों में 148 रनों की विस्फोटक पारी खेलते हुए विश्व क्रिकेट में अपने नाम की सनसनी फैलाई। कप्तान गांगुली का एक फैसला धोनी के लिए वरदान साबित हुआ और इसके बाद उन्होंने पीछे मुडकर नहीं देखा। धोनी ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर भारत के लिए खेले कुल 538 मुकाबलों में 17,266 रन बनाए। टेस्ट में धोनी ने 6 और वनडे में 10 शतक लगाए।

बल्लेबाजी के साथ-साथ बतौर कप्तान धोनी का रिकॉर्ड बेमिसाल रहा। धोनी ने अपनी कप्तानी में भारत को साल 2007 में टी20 विश्व चैंपियन बनाया। इसके बाद धोनी की अगुवाई में ही भारतीय टीम ने साल 2008 में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर कॉमनवेल्थ बैंक सीरीज भी जीती। वहीं, साल 2011 में धोनी ने 28 साल का सूखा खत्म करते हुए भारत को वनडे विश्व कप का खिताब जिताया। 2013 में धोनी की ही कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को फाइनल में हराते हुए चैंपियंस ट्रॉफी भी जीती। धोनी दुनिया और भारत के इकलौते ऐसे कप्तान हैं, जिन्होंने तीन आईसीसी ट्रॉफी (टी20 और वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी) जीती है।

श्रीमती गुरप्रीत कौर कोषाध्यक्ष पद के लिए मार रहीं जोर

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव की धमाचौकड़ी जारी है। चुनाव 15 जुलाई को हैं। महिला के लिए आरक्षित कोषाध्यक्ष पद पर तीन प्रत्याशी मैंदान में है। जिनमें वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमती गुरप्रीत कौर भी कोषाध्यक्ष पद के लिए दमदारी के साथ जोर मार रही हैं। उन्होंने साथी अधिवक्ताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील तेज कर दी है। गुरप्रीत कौर ने बताया कि एकता हमारी पहचान, निष्ठा हमारी शक्ति और सेवा हमारा संकल्प तथा कार्य में पारदर्शिता के नारे के साथ चुनाव मैदान में कदम रखा है। उन्होंने सभी अधिवक्ता साथियों से स्नेह आशीर्वाद और अमूल्य मत की आकांक्षा जताते हुए एक सशक्त अधिवक्ता संघ के निर्माण का भरोसा दिलाया है। उनका कहना है कि अधिवक्ताओं का विश्वास ही उनकी जिम्मेदारी है। प्रत्याशी गुरप्रीत कौर ने सभी मतदाताओं से समय पर पहुंचकर मतदान करने और समर्थन देने का आग्रह कर रही हैं।

काव्य महोत्सव एंव सम्मान समारोह 12 को

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदा आव्हान सेवा समिति समाजसेवा कला साहित्य संस्कृति को सर्मपित संस्था द्वारा अखिल भारतीय काव्य महोत्सव एंव सम्मान समारोह का आयोजन सतना मे किया जा रहा है। उक्त जानकारी संस्था के प्रमुख केप्टिन करैया ने देते हुए बताया की सतना महापौर योगेश ताम्रकार के मुख्यातिथि देश के प्रसिद्ध और लोकप्रिय हास्य.व्यंग्य कवि मनोहर मनोज कटनी की अध्यक्षता एंव डाँ सतीश एस कलेक्टर सतना की विशेष उपस्थिति तथा अन्य वरिष्ठ साहित्यकारों के विशिष्ट आतिथ्य में अखिल भारतीय काव्य महोत्सव एवं सम्मान समारोह होटल महामया सतना में 12 जुलाई रविवार को में प्रात: 9 बजे से सांयकाल 5 बजे तक रखा गया है। श्री करैया ने बताया की भारत की समृद्ध साहित्यिक विरासत को जीवित रखने की दिशा में यह हमारा प्रयास है। देश के सुप्रसिद्ध रचनाकार अपनी ओजस्वी वाणीए हास्य.व्यंग्य और श्रृंगार रस की कविताओं से साहित्य की अद्भुत छटा बिखेरेंगे। समिति के हंस राय ने बताया की उक्त आयोजन में 4 प्रांतों से लगभग 60 कवियों का आगमन हो रहा है। काव्य पाठ उपरांत नर्मदा आव्हान सेवा समिति अतिथियों की उपस्थिति मे सभी कवियों को स्मृति चिन्ह एवं साहित्य मनीषी सम्मान से अंलकृत किया जायेगा।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर अधिकारी तत्परता से करें कार्यवाही: कलेक्टर सोमेश मिश्रा

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्या

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। जनसुनवाई में राजस्व, भूमि विवाद, अवैध कब्जा, सीमांकन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शिक्षा, रोजगार, बिजली, पानी, स्वच्छता सहित विभिन्न विभागों से संबंधित 152 शिकायतें प्राप्त हुईं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त सभी शिकायतों का समय-सीमा निर्धारित कर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जनसुनवाई में सोहागपुर निवासी श्रीमती जीजन बाई ने अपनी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत प्रस्तुत की। कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम सोहागपुर को निर्देश दिए कि भूमि का सीमांकन कर अवैध कब्जा पाए जाने पर तत्काल हटाने की कार्रवाई करें तथा एक सप्ताह के भीतर विस्तृत पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। इसी प्रकार तहसील बनखेड़ी की ग्राम पंचायत पीपरपानी निवासी सुशील कुमार शुक्ला ने शासकीय भवन के जर्जर होने एवं उस पर अवैध कब्जे की शिकायत दर्ज कराई। कलेक्टर ने तहसीलदार बनखेड़ी को निर्देशित किया कि लोक निर्माण विभाग से भवन का परीक्षण कराया जाए तथा भवन के जर्जर एवं जीर्ण-शीर्ण पाए जाने पर उसे नियमानुसार डिस्मेंटल कराया जाए। साथ ही अवैध अतिक्रमण पाए जाने पर तत्काल हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।तहसील माखननगर निवासी पवन यादव ने भू-अभिलेख शाखा में खसरा अनुमोदन का प्रकरण तीन माह से लंबित होने की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने भू-अभिलेख अधीक्षक को सात दिवस के भीतर खसरा अनुमोदन की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। तहसील पिपरिया निवासी मीना बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत तीसरी किस्त प्राप्त नहीं होने की शिकायत प्रस्तुत की। कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी पिपरिया को मामले की जांच कर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा पात्रता अनुसार हितग्राही को योजना का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए दिव्यांगजनों की समस्याएं सुनने स्वयं भूतल स्थित जनसुनवाई कक्ष पहुंचे। उन्होंने दिव्यांग आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पंचवटी परिसर कालोनी फेस टू में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

सीवर लाइन के चेम्बर बंद होने से कालोनी में जल मल से परेशानी,जनसुनवाई में दिया आवेदन

नर्मदापुरम (निप्र)। पंचवटी परिसर कालोनी फेस टू में मूलभूत सुविधाओं का अभाव बलर बना हुआ है। कालोनी के नागरिकों ने जनसुनवाई में सीवर लाइन के चेम्बर बंद होने से कालोनी में जल मल से परेशानी से अवगत कराया है। साथ ही नगर पालिका को भी अवगत करा दिया है। कालोनी वासी का कहना है कि हमारी कालोनी के कालोनाईजर प्रेम सिंह सोलंकी है हमारी कालोनी में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है अनेकबार सोलंकी से निरीक्षण के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की है इसलिए जनसुनवाई में समस्या से अवगत कराना पड़ रहा है। कालोनी के सीवर लाइन की समुचित व्यवस्था नहीं की। कालोनी में 20, 15, 10 का बड़ा सेपतटिक टेंक था जिसे कालोनाइजर ने बंद कर छोटा टैंक बना रहे हैं एवं शेष प्लाट बेचना चाह रहे हैं। कालोनी के पश्चिम दिशा में श्रीराम कालोनी है जिसमें से हमारी कालोनी सीवर लाइन जाती है। 05 जुलाई को कालोनीवासियों ने चेम्बर बंद कर दिये हैं जिससे हमारी कालोनी में जल मल सड़क पर फेल रहा है । जिससे गंभीर बीमारी फैलने का अंदेशा बना हुआ है नगर पालिका परिषद ने श्रीराम कालोनी के सड़क आंतरिक मार्ग बनाया है जिसमें सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हुई है। कृपया शीघ्र उचित कार्रवाई कर नई पाइप लाइन डलवाने एवं चेम्बर खुलवाने का आग्रह किया है।

कलेक्टर के निर्देशों के पालन में पिपरिया एवं बनखेड़ी में आयोजित हुई खंड स्तरीय जनसुनवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय के साथ-साथ प्रत्येक अनुभाग एवं तहसील स्तर पर भी जनसुनवाई का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। इसी क्रम में मंगलवार को अनुभाग पिपरिया अंतर्गत खंड स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया गया। तहसील पिपरिया में आयोजित जनसुनवाई में एसडीएम आकिप खान ने उपस्थित रहकर आमजन की समस्याएं सुनीं तथा प्राप्त आवेदनों के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

रात में अनेक क्षेत्रों की सड़कों पर रहता है अंधेरा, नागरिकों को हो रही परेशानी

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर में अनेक मार्गों पर रात्रि में स्ट्रीट लाइट बंद रहने से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों पर रात में अंधेरा छाया रहता है। मवेशी बैठे रहते हैं। जिनसे वाहन चालकों को डर बना रहता है।

शहर के कलेक्ट्रेट मार्ग से लेकर जेल रोड़ तथा यहां तक कि सदर बाजार, कोठीबाजार के मार्ग पर पर भी अंधेरा रहता है। हाउसिंग बोर्ड, अंकिता नगर, नगर पालिका के बिजली शाखा के अधिकारियों कर्मचारियों को अवगत करा दिया है। लेकिन वे इस इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। क्योंकि जो बिजली सामग्री खरीदी थी वह कम समय में ही समाप्त हो गई। नपा के कर्मचारियों के पास सामग्री का अभाव बना हुआ है। एक कर्मचारी इसी माह सेवानिवृत होने वाला है दूसरे को कुछ समझ नहीं आता है क्या करना है। सड़कों पर छाए हुए अंधेरे से उन्हें कोई लेना देना नहीं। शाम के समय इन मार्गों पर कई लोग पैदल चलते हैं। जिनमें महिलाओं की संख्या भी होती है। उनको भी बरसात के दिनों में निकलने वाले जहरीले जीव जंतुओं से खतरा बना रहता है। प्रतिदिन शाम को पैदल भ्रमण करने वाले संदीप तिवारी, गुड्डू गौर, पन्ना लाल, अशोक त्रिपाठी ने बताया कि जब रात के समय पैदल चलते हैं। सड़कों पर डर लगता है। क्योंकि सड़क किनारे की झाड़ियां बढ़ती जा रही है। आदमगढ, ग्वालटोली सहित अनेक स्थानों पर स्ट्रीट लाइट बंद रहती है। बड़ी संख्या में मवेशी सड़कों पर झुंड बनाकर बैठे रहते हैं। जो अंधेरे के कारण दिखाई नहीं देते हैं। इन मवेशियों तथा जीव जंतुओं से खतरा बना हुआ है। नागरिकों ने शीघ्र स्ट्रीट लाइट सुधारने की मांग की है।

सरकार को सद्बुद्धि देनें भारतीय किसान संघ नें किया सद्बुद्धि यज्ञ

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय किसान संघ द्वारा अनिश्चितकालीन आंदोलन धरना प्रदर्शन के दूसरे दिन पीपल चौक पत्रकार भवन के सामने धरना स्थल पर संघठन द्वारा नारेबाजी करके प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी तारतम्य में मंगलवार को शासन और प्रशासन की सद्बुद्धि के लिए यज्ञ में आहूति छोड़ी गयी। इटारसी और माखननगर तहसील के कार्यकर्ता धरना प्रदर्शन कर रहे है। किसानों नें आहूति छोड़ते हुए कहा सरकार को सद्बुद्धि दे स्वाहा। केंद्रीय कृषि मंत्री स्वाहा, मोहन सरकार स्वाहा सहित अन्य नारे लगाते हुए स्वाहा का घोष किया गया। मूंग खरीदी की मात्रा बढ़ाए स्वाहा, !100 प्रतिशत मूंग खरीदे स्वाहा,यूरिया डीएपी मिल जाए स्वाहा, कृषि मंत्री को सद्बुद्धि दे स्वाहा ऐसे वाक्यों के साथ यज्ञ में आहूति देकर भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं नें सद्बुद्धि यज्ञ करते हुए नााजगी व्यक्त की।

प्रतिदिन करेंगे प्रदर्शन

भारतीय किसान संघ के जिला सह मंत्री रजत दुबे नें बताया कि भाकिसं द्वारा अनिश्चितकालीन आंदोलन हो रहा है जिसमें तहसीलों के पदाधिकारी प्रतिदिन रात्रि विश्राम कर रहे है। तथा आंदोलन स्थल पर ही खाना बना रहे है । आगे प्रतिदिन बैल को ज्ञापन, भैंस के आगे बीन बजानें, और सरकार के कृषि मंत्री का पुतला दहन करनें जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

किसानों नें मेहनत करके मूंग का उत्पादन किया

भारतीय किसान संघ के संभागीय मंत्री देवेन्द्र पटैल नें बताया कि किसानों नें गर्मी भर मेहनत करके मूंग का बंपर उत्पादन किया है 4.5 क्विंटल प्रति एकड़ मूंग का उत्पादन किया है लेकिन सरकार नें घोषित उपार्जन 1 क्विंटल 20 किलो तय किया

जोकि बहुत कम हैए ऐसे में किसानों को औने पानैं दामों में मंडी में बेचना पड़ेगाए लाखों रूपये का फटका लगेगा । सरकार शीघ्रता से शत प्रतिशत मूंग खरीदी की घोषणा करें ।

धरना प्रदर्शन में ये रहे उपस्थित

संभागीय सदस्य श्रीराम दुबे जिला सदस्य मोरसिंह राजपूत, सरदार यादव, राजेश दीवान, सुभाष साध, गोपाल मीणा, नरेन्द्र गौर, राजेश साध, कमल गालर, धर्मपाल मीना, राजकुमार चौधरी, कैलाश मीना, भागीरथ मीना सुशील मीना, गोपाल गुर्जर, श्यामकिशोर, लोवंशी, गोबिंद सीठा, अजय दीवान भोलाराम चौरे, विनय पटेल, नीकेश मीना, सुमित मीना, सचिन मीना, राहुल मीना, लक्की मीना आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

चर्च मैदान पर जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता सीहोर बाइज ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-1 से हराया

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर खिलाडियों को मंच देने के लिए हर साल की तरह इस साल भी स्व. कैलाश सारंग की स्मृति में जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को खेले गए जूनियर वर्ग के रोमांचक मैच में सीहोर बाइज ने सीहोर चिल्ड्रन को 2-1 से हराया। इस मैच में सीहोर बाइज की ओर से युवराज-आदित्य ने 1-1 गोल किया। इसके अलावा सीनियर वर्ग के मैच में आरएसआई को सीहोर क्लब ने 3-1 से हराया। एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि पहला मैच जूनियर वर्ग का खेला गया। इस रोमांचक मैच में सीहोर चिल्ड्रन की ओर से स्ट्राइकर आर्थव ने मैच के 15 वें मिनिट पर गोल को बढत दिलाई थी, लेकिन मैच के अंतिम समय में सीहोर बाइज की ओर से युवराज-आदित्य ने 1-1 गोल किया, जिससे सीहोर बाइज ने सीहोर चिल्ड्रन पर 2-1 से विजय हासिल की।

कलेक्टर के निर्देश अनुसार सिवनी मालवा में शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

अतिक्रमण मुक्त भूमि पर नवांकुर अभियान के तहत होगा वृह्द वृक्षारोपण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देश पर जिले में लगातार भू-माफियाओं और अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। कलेक्टर द्वारा जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि शासकीय विभागों को आवंटित भूमि तथा शासकीय भवनों की जांच कर अवैध अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधित अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर संबंधित विभागों को सौंपा जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में एसडीएम सिवनीमालवा विजय राय के मार्गदर्शन में सोमवार को राजस्व एवं प्रशासनिक टीम द्वारा अनुविभाग सिवनी मालवा के ग्राम चापड़ाग्रहण स्थित शासकीय विद्यालय की शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है।

एसडीएम सिवनीमालवा श्री राय ने बताया कि अतिक्रमण मुक्त कराई गई शासकीय भूमि का उपयोग अब जनहित में किया जाएगा। कलेक्टर के निर्देश पर इस पूरी भूमि पर नवांकुर अभियान के तहत बड़े स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा एवं तैयार योजना के तहत यहां सीड बॉल रोपण और सघन वृक्षारोपण किया जाएगा। कलेक्टर द्वारा स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया है कि राजस्व विभाग निरंतर रूप से शासकीय भूमिका सीमांकन सुनिश्चित करते हुए अवैध अतिक्रमण पाए जाने पर त्वरित रूप से हटाए जाना की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ग्राम पंचायत दमदम मे स्वच्छता अभियान के तहत की गई नाले नालियों की साफ सफाई

नर्मदापुरम (निप्र)। आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम पंचायत दमदम में व्यापक स्वच्छता अभियान संचालित किया जा रहा है। ग्रामीणों के स्वास्थ्य संरक्षण तथा वर्षा ऋतु के दौरान जलजनित एवं संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से गांव के सभी वार्डों में साफ-सफाई का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। यह अभियान सरपंच, ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक (जीआरएस) के संयुक्त मार्गदर्शन एवं सतत निगरानी में संचालित हो रहा है। अभियान के अंतर्गत गांव की छोटी-बड़ी नालियों की गहन सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को सुचारू बनाया जा रहा है, ताकि वर्षा के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।साथ ही सार्वजनिक स्थलों, गलियों एवं अन्य स्थानों पर जमा कचरे का नियमित रूप से संग्रहण एवं सुरक्षित निष्पादन किया जा रहा है, जिससे स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित हो सके।

शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन की बडी कार्यवाही, इटारसी में 530 वर्गफुट शा0 जमीन को कराया अतिक्रमण मुक्त

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश मिश्रा के निर्देश पर शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे के खिलाफ प्रशासन की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में एसडीएम इटारसी नीलेश शर्मा के निर्देश पर सोमवार 6 जुलाई 2026 को राजस्व विभाग और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने इटारसी शहर स्थित भूमि शीट नंबर-42, खसरा नंबर-1.396 हे. शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाकर करीब 10 लाख रुपये कीमत की 530 वर्गफुट जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। प्रशासनिक टीम पहले मौके पर पहुंची और अतिक्रमणकारियों को समझाइश दी।

इसके बाद जेसीबी और अन्य संसाधनों की मदद से अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई।

पूरी कार्रवाई तहसीलदार श्रीमती सुनीता साहनी के नेतृत्व में संपन्न हुई। मौके पर पर्याप्त प्रशासनिक अमला और नगर पालिका का दल तैनात रहा। अधिकारियों के अनुसार कार्रवाई पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से की गई।एसडीएम नीलेश शर्मा ने स्पष्ट किया कि शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे अतिक्रमणों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण न करें। यदि ऐसा पाया गया तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खेतों में पर्याप्त नमी के बाद ही करें बोवाई कृषि विभाग ने की एडवायजरी जारी

नर्मदापुरम (निप्र)। मौसम की अनिश्चितता के बारे में लगाए जा रहे अनुमानों के बाद भी किसान भाईयों को चिन्तित होने की आवश्यकता नहीं है। खरीफ की बुआई के लिए कुछ सावधानियां अपनाकर किसान उत्पादन में स्थिरता बनाए रख सकते हैं। कुछ जिलों में अल्प वर्षा को देखते हुए खरीफ फसलों की बोवाई में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। जब तक खेतों में पर्याप्त नमी न हो जाए, तब तक बुआई करना जोखिम पूर्ण हो सकता है। कृषक कल्याण एवं कृषि विकास विभाग ने वैज्ञानिकों के परामर्श से किसानों को सलाह दी है। संचालक कृषि उमाशंकर भार्गव ने इस संबंध में मैदानी अमले को किसानों से सतत संपर्क करने के अधीनस्थ कार्यालयों को निर्देश जारी किए हैं। सामान्य रूप से 4 इंच यानि लगभग 1 बालिश्त की गहराई तक नमी होने तथा बतर आने के बाद बोवाई की आदर्श स्थिति मानी जाती है। वर्तमान में पूरी तरह मानसून की सक्रियता न होने के कारण बोवाई के लिए किसानों को प्रतीक्षा करने की आवश्यकता है। जिन किसान भाइयों के पास सिंचाई की पर्याप्तता हो उन्हें मृदा की उर्वरता बढ़ाने के लिये ढैंचा या सनई की बुवाई हरित खाद के रूप में करना चाहिये।

शिक्षा का अधिकार कानून के अंतर्गत निजी स्कूल नवीन मान्यता एवं मान्यता के नवीनीकरण के लिए 10 जुलाई तक कर सकेंगे आवदेन

नर्मदापुरम (निप्र)। शिक्षा के अधिकार कानून अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निजी स्कूल नवीन मान्यता एवं मान्यता के नवीनीकरण के लिए 10 जुलाई तक आवेदन कर सकेंगे। राज्य शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग ने अशासकीय विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण एवं नवीन मान्यता के लिए निर्धारित तिथि को बढा दी है। इस संबंध में निर्देश भी जारी कर दिए गए हैं। निजी विद्यालय विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथि तक अपने आवेदन ऑनलाइन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि, पूर्व में निजी विद्यालयों की मान्यता नवीनीकरण एवं नवीन मान्यता के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2026 निर्धारित थी, लेकिन इस अवधि तक अनेक अशासकीय विद्यालयों द्वारा निर्धारित समय-सीमा में आवेदन नहीं किए जा सके थे। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए निजी विद्यालयों को यह अंतिम अवसर प्रदान किया गया है। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जारी निर्देशों में यह स्पष्ट किया है कि 10 जुलाई 2026 के बाद आवेदन की अंतिम तिथि में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाएगी। शिक्षा का अधिकार नियम, 2011 के नियम 11 के अनुसार यदि कोई विद्यालय निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत समय पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत नहीं करता है तो निर्धारित अवधि के बाद उसकी मान्यता, स्वत: समाप्त मानी जाएगी। ऐसे विद्यालय का संचालन शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 18 के अंतर्गत उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित प्रावधानों के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जा सकेगी।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला-नर्मदापुरम (म0प्र0)

ई-मेल-modgmhos@mp.gov.in

पत्र क्रमांक/............/ खनिज/2026-27 नर्मदापुरम, दिनांक /....../....../2026

म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री मुकेश प्रजापति आ0 श्री सीताराम प्रजापति, निवासी- ग्राम डूडूगांव, तह0-डोलरिया, जिला-नर्मदापुरम (म0प्र0) द्वारा मुरूम खनिज उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ई-खनिज पोर्टल से ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 25/06/2026 को किया गया है। सूचना प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
नर्मदापुरम	डोलरिया	टेमलाकलॉ	31/1	2.000 हे.	शासकीय	मुरूम	
			कुल रकबा	2.000 हे.			

1- उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

2- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

3- यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुन: 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी।विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व से प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4- यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।

5- निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

जी/15357/26

जिला खनि अधिकारी
जिला-नर्मदापुरम (म0प्र0)

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें,अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com